PHM
Prime Heritage Morning
News

प्राइम हेरिटेज मॉर्निंग

PRIME HERITAGE MORNING

सम्पादक-
ललित कुमार शर्मा

हिन्दी मासिक

गाजियाबाद, मुरादनगर, मोदीनगर, मेरठ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली, बुलंदशहर, अनूपशहर, आगरा, लखनऊ से एक साथ प्रसारित

नवम्बर, 2025 (गाजियाबाद) | TITLE CODE- UPHIN49692 | वर्ष-6, अंक-2, पृष्ठ-8, मूल्य : 20 रूपये

बीजेपी नेता नवनीत राणा को गैंगरेप-जान से मारने की धमकी

एजेंसी
मुम्बई। पूर्व सांसद और बीजेपी नेता नवनीत राणा को एक बार फिर जान से मारने व गैंगरेप की धमकी मिली है। यह धमकी स्पीड पोस्ट के जरिए उनके अमरावती स्थित दफ्तर में भेजी गई। जानकारी के मुताबिक पत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी नाम लिया गया है और बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया है। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू कर दी है और अमरावती क्राइम ब्रांच की टीम तुरंत राणा के घर पहुंची। जांच में सामने आया है कि यह धमकी भरा पत्र हैदराबाद से भेजा गया है। इसे जावेद नाम के व्यक्ति के नाम से दर्ज किया गया है। नवनीत राणा के पीए मंगेश कोकाटे ने राजापेठ पुलिस स्टेशन में शिकायत दी, जिसके बाद एफआईआर दर्ज कर ली गई। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस पत्र के पीछे असली व्यक्ति कौन है और इसका उद्देश्य क्या था। पत्र में आरोपी ने न केवल नवनीत राणा को धमकाया, बल्कि उनके बच्चे के सामने रेप करने जैसी बातें लिखीं। इसके अलावा गंभीर परिणाम भुगतने की भी चेतावनी दी गई। इससे पहले भी नवनीत राणा को कई बार धमकी भरे फोन और संदेश मिल चुके हैं।

दुश्मन पर कहर बरपाएंगे ड्रोन के झुंड

1,100 किमी तक करेंगे वार... भविष्य के युद्ध में हासिल होगी महारत

एजेंसी
नई दिल्ली। झुंड में उड़ान भरने वाले ऐसे दर्जनों ड्रोन के बारे में सोचिए जो एक समन्वित हमले में दुश्मन वायुसेना के अड्डे में घुसकर उसके कमांड सेंटर, रनवे या फ्यूल डिपो में तबाही मचा दें। देश में ऐसी ही शक्तिशाली ड्रोन प्रणाली पर काम शुरू हो रहा है। हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने वायुसेना के लिए कोलैबोरेटिव लॉन्ग रेंज टारगेट सेचुरेशन-डिस्ट्रक्शन सिस्टम (सीएलआरटीएस/डीएस) की खरीद की अनुमति दी है। अब देश में ही 1,100 किलोमीटर दूर तक वार करने वाले स्वार्म ड्रोन बनाए जाएंगे। सीएलआरटीएस-डीएस लंबी दूरी का स्वायत्त ड्रोन सिस्टम है। यह स्वतंत्र रूप से टेकऑफ, नेविगेशन, लक्ष्य पहचानने व हमला करने में सक्षम होगा। न्यूनतम मानवीय दखल और एआई आधारित एल्गोरिदम से संचालित यह प्रणाली जटिल मिशनों को आसानी से अंजाम देगी।

सूत्रों के मुताबिक इस प्रणाली में लगभग 80 प्रतिशत ड्रोन विस्फोटक वॉरहेड से लैस होंगे, जबकि 20 प्रतिशत का कार्य इंटेलिजेंस और निर्णय लेने का होगा। यदि कुछ ड्रोन निष्क्रिय भी हो जाएं तो उन्नत एआई की मदद से बाकी ड्रोन नई रणनीति बनाकर मिशन

जारी रख सकते हैं। सीएलआरटीएस-डीएस इस तरह से डिजाइन होंगे कि वह इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर की सूरत में भी प्रभावी रहें। यह ड्रोन आपस में डाटा साझा कर सकते हैं। स्वयं जैमिंग से बच सकते हैं। साथ ही रीयल-टाइम में अपनी भूमिकाएं बदल भी सकते हैं। यह कदम एक तरफ जहां भारत की लंबी दूरी की स्ट्राइक क्षमता बढ़ाएगा, वहीं इजरायल के हारोप ड्रोन जैसे आयातित हथियारों पर निर्भरता भी कम करेगा। यह कदम देश को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सामरिक बढ़त दिलाने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। आधुनिक एजेंटिक एआई सिस्टम किसी मिशन पर इंसान की तरह सोचना, योजना बनाना, निर्णय लेना और काम करना सीख सकते हैं। बदलते हालात के अनुसार रणनीति बदल सकते हैं। यदि किसी एजेंटिक आई सिस्टम को कहा जाए कि फलां मिशन को सफल बनाओ, तो वो खुद तय करेगा कि इसके लिए क्या योजना बनानी है, कहां जाना है और कैसे टारगेट करना है। सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज के डीजी एयर मार्शल अनिल चोपड़ा ने कहा कि सीएलआरटीएस /डीएस प्रणाली एक बड़ा कदम है। रक्षा में आत्मनिर्भरता बहुत जरूरी है। विदेश से कोई हथियार प्रणाली खरीदना आसान नहीं है, इसके लिए मोटी कीमत चुकानी पड़ती है। यह सिस्टम दुश्मन की वायु रक्षा प्रणाली पर दबाव डालकर उसको निष्प्रभावी बनाएगा। उन्होंने कहा कि दुश्मन के ठिकानों पर मिसाइलें दागने की तुलना में यह सस्ता विकल्प है। मिसाइलें या एयरक्राफ्ट बहुत महंगे होते हैं।

छपरा में पीएम बोले: कांग्रेस, आरजेडी का नुकसान चाहती है

बिहारियों को गाली देने वालों को प्रचार में बुला रही है, बड़ी साजिश चल रही

एजेंसी
छपरा, सारण। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आज गुरुवार को मुजफ्फरपुर और छपरा में चुनावी सभा हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस-राजद पर जमकर हमला बोला। छपरा में सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'नरेन्द्र-नीतीश आपके सपने को पूरा करने में जुटे हैं। वहीं कांग्रेस-राजद वाले बिहार और बिहारियों का अपमान करते हैं।' तेलंगाना और कर्नाटक में कांग्रेस के नेता बिहारियों को गालियां देते हैं। तमिलनाडु में डीएमके के नेता बिहारियों को प्रताड़ित करते हैं। और इस बार के चुनाव में तो कांग्रेस ने सारी हदें पार कर दी है। जिन लोगों ने बिहार को गालियां दीं, उन्हें कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के लिए बुलाया। ये सोची-समझी साजिश के तहत हो रहा है। कांग्रेस चाहती है कि राजद का चुनाव में नुकसान हो, इसलिए उन्हें प्रचार के लिए बुला रही है। ये एक उदाहरण है कि कांग्रेस-राजद की लड़ाई कितनी बड़ी होती जा रही है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'जंगलराज के नेता आपको लगातार गुमराह कर रहे हैं, आपको लालच दे रहे हैं।' 'आरजेडी का घोषणापत्र, कांग्रेस का घोषणापत्र, घोषणापत्र नहीं है। उन्होंने अपनी रेट लिस्ट बता दी है। उनकी हर घोषणा के पीछे असली मकसद जबरन वसूली, फिरौती, लूट, भ्रष्टाचार, ये सब है।' इससे पहले उन्होंने मुजफ्फरपुर में कांग्रेस-राजद पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने जंगलराज से लेकर कांग्रेस-राजद के चुनावी प्रचार को लेकर हमला बोला है। अपने 52 मिनट के भाषण में पीएम ने कहा, 'हमारी सरकार छठ महापर्व को यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल कराने की कोशिश में है। एक ओर आपका बेटा छठी मइया की जयकार दुनिया में कराने में लगा है।' 'दूसरी तरफ कांग्रेस-राजद छठी मइया का अपमान कर रहे हैं। क्या कोई कभी भी वोट पाने के लिए, छठी मइया का अपमान कर सकता है क्या। बिहार और देश की जनता ये अपमान कभी नहीं भूलेगी। इसका मुंहतोड़ जवाब देगी।' राष्ट्रीय जनता दल के शासन को याद दिलाते हुए पीएम ने उस दौरान हुए अपहरण, हत्याओं का जिक्र करते हुए कहा, 'RJD और कांग्रेस वालों की पहचान सिर्फ 5 चीजों से है। कट्टा, क्रूरता, कटुता, कुशासन, करप्शन ये जंगल राज की पहचान है।' पीएम मोदी ने कहा कि, 'विकसित भारत के लिए बिहार का विकसित होना जरूरी है। RJD और कांग्रेस कभी भी बिहार को विकसित नहीं बना सकता है।' 'इन लोगों ने बिहार पर कई सालों तक राज किया। इन लोगों ने आपके साथ सिर्फ विश्वासघात किया है। जहां कट्टा, क्रूरता का राज हो, वहां कानून दम तोड़ देता है।' 'जहां कटुता बढ़ाने वाली पकड़ और कांग्रेस हो, वहां समाज में सद्भाव मुश्किल होता है। जहां RJD और कांग्रेस का कुशासन हो, वहां विकास का नामो-निशान नहीं होता है। जहां करप्शन हो, वहां सामाजिक न्याय नहीं मिलता,ऐसे लोग कभी भी बिहार का भला नहीं कर सकते।' आपने देखा है कि आपका ये बेटा तो छठी मैया की जय-जयकार दुनिया में कराने में लगा है।

दिनदहाड़े 3 साल के बच्चे का अपहरण

सूरत। शहर में दिनदहाड़े बच्चे के अपहरण का एक और मामला सामने आया है। हालांकि, पुलिस के तुरंत एक्शन से आरोपी को कुछ ही घंटों में पकड़ लिया गया। आरोपी के चंगुल से बच्चे को भी सकुशल मुक्त कराकर उसे परिवार को सौंप दिया गया है। उधना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, वारदात बुधवार को शाम करीब 4 बजे आशानगर स्थित धर्मकुंज सोसाइटी के बगल में प्लॉट संख्या 55 में हुई। सोसाइटी में 3 साल का बच्चा खेल रहा था। इसी दौरान वहां आरोपी दानिश उर्फ पप्पू शेख पहुंचा और बच्चे को गोद में उठाकर फरार हो गया। बच्चे के गुम होने के 15-20 मिनट बाद ही मां ने उसकी तलाश की और पति को फोन पर सूचना दी। आसपास के लोगों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो उसमें बच्चे को उठाकर ले जाते हुए किडनैपर नजर आया। उधना पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई। इसके बाद पुलिस ने तीन टीमें बनाकर 200 कैमरों की जांच की और कुछ ही घंटों में आरोपी तक पहुंच गई।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा, एनसी-बीजेपी विधायक भिड़े

बाढ़ पर चर्चा चाहते थे, अध्यक्ष ने परमिशन नहीं दी, विरोध करने वाले विधायकों मार्शलों ने बाहर निकाला

एजेंसी
श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में गुरुवार को विपक्षी भाजपा विधायक, NC विधायकों से भिड़ गए। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा नेता खड़े हो गए और प्रश्नकाल स्थगित करने की मांग करने लगे। उनका कहना था कि सदन में जम्मू के बाढ़ प्रभावित इलाकों पर आधे घंटे की चर्चा की जाए। लेकिन अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने इसके विधायकों से प्रश्नकाल चलने देने का अनुरोध किया। भाजपा सदस्य नहीं माने और अपनी मांग पर अड़े रहे। हंगामा बढ़ने पर किश्तवाड़ से भाजपा विधायक शगुन परिहार सदन के वेल में जाने लगीं, लेकिन महिला वॉच एंड वार्ड स्टाफ ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद वेल में कूदने वाले दो भाजपा विधायकों आरएस पठानिया और सुरिंदर कुमार को मार्शलों ने बाहर निकाल दिया। इसके विधायक पूरे प्रश्नकाल तक सदन में खड़े रहे, बाद में उन्होंने वाकआउट कर दिया। उमर सरकार टेनेंसी रिफॉर्म, पंचायती राज, लेबर वेलफेयर और कोऑपरेटिव से जुड़े चार महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने की तैयारी में है। बुधवार को भी सदन में हंगामा हुआ, जब राज्य निर्वाचन आयुक्त की एज लिमिट 65 से 70 साल करने वाला विधेयक पेश किया गया था। इस विधेयक का मकसद एक रेंट अथॉरिटी का गठन करना है, जो किराए पर स्थानों को विनियमित करेगा और मकान मालिकों तथा किरायेदारों के अधिकारों की रक्षा के लिए एक इंस्टेंट ज्यूडिशियल सिस्टम देगा। यह विधेयक शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में किराएदारी संबंधों में ट्रांसपेरेंसी और न्यायसंगत बना सकता है।यह विधेयक 1989 के अधिनियम के तहत स्थापित पंचायती राज ढांचे को मजबूत करने के लिए बदलावों का प्रस्ताव करता है, जिससे स्थानीय स्वशासन को और अधिक अधिकार और संसाधन मिल सकें।इस बिल का मकसद वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में श्रम कानूनों और काम करने की स्थितियों को सरल बनाना है। यह बिल श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए व्यवसायों के लिए अनुपालन को आसान बनाने की कोशिश करेगा। यह विधेयक पूरे केंद्र शासित प्रदेश में सहकारी समितियों के कामकाज को बेहतर बनाने के लिए संशोधन चाहता है। इसका लक्ष्य सहकारी अधिनियम को पुनर्जीवित करना, उनकी स्वायत्तता बढ़ाना और उन्हें आर्थिक विकास में अधिक प्रभावी भूमिका निभाने में सक्षम बनाना है।

'ये चुनाव जंगलराज रोकने के लिए, जो वेष बदलकर आएगा'

नालंदा में शाह बोले: हजारों करोड़ का काम मोदी-नीतीश ने किया

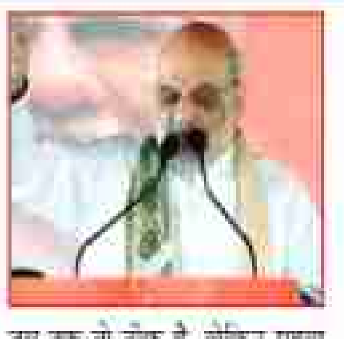

एजेंसी
लखीसराय। अमित शाह ने गुरुवार (30 अक्टूबर) को लखीसराय, मुंगेर और नालंदा में जनसभा को संबोधित किया। लखीसराय में उन्होंने डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के लिए लोगों से वोट की अपील की। मुंगेर में उन्होंने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के लिए वोट मांगे। इस दौरान शाह ने कहा, मुंगेर वालों यहां से बीजेपी के कैंडिडेट सम्राट चौधरी को जिताइए। मोदी जी इन्हें बहुत बड़ा आदमी बनाएंगे। वहीं, नालंदा में अमित शाह ने कहा कि ये चुनाव किसी को विधायक या मंत्री बनाने के लिए नहीं हैं। ये चुनाव उस 'जंगलराज' को रोकने के लिए है, जो अपना वेष बदलकर आएगा। लालू-राबड़ी के शासन में 38 नरसंहार हुए। नालंदा के कई लोग मौत के घाट उतारे गए थे। किडनैपिंग, हत्या, लूट जैसे गैरकानूनी काम होते थे। लेकिन नीतीश ने इस धंधे पर रोक लगा दिया और लालू के आतंक को समाप्त कर दिया। इससे पहले मुंगेर में केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि, कहा जाता है कि मुंगेर में सीता माता ने छठ पूजा की थी। देश-दुनिया में लोगों ने छठ पूजा की। कल राहुल बाबा आए थे उन्हें तो सब नहीं पता कैसे पता होगा। उनका ननिहाल इटली में है। वो कह रहे हैं छठ मइया की पूजा एक ड्रामा है। नौटंकी है। मोदी जी का आप अपमान करो तब तक तो ठीक है, लेकिन राहुल भइया आपने छठ मइया का अपमान किया है। बिहार की जनता अपना फर्ज जरूर दिखाएगी। कांग्रेस वालों ने जब-जब मोदी जी के लिए अपशब्द कहे तब-तब देश की जनता ने जवाब दिया है। राहुल बाबा की यात्रा में मोदी जी की मां को गाली दी। 2002 से 2025 तक का इतिहास है जब-जब मोदी का अपमान हुआ, कमल का फूल उतना ही खिला है। शाह ने कहा कि, ना बिहार में सीएम की कुर्सी खाली है। ना ही देश में PM की कुर्सी खाली है। यहां नीतीश जी हैं। वहां मोदी जी हैं। लालू जी और सोनिया जी अपने बेटों को PM और CM बनाने का सपना छोड़ दें तो अच्छा होगा। इससे पहले उन्होंने लखीसराय में सभा की। यहां शाह ने महागठबंधन के मैनिफेस्टो को झूठा बताया। कहा कि सर्वे बता रहे है कि इस चुनाव में RJD-कांग्रेस की सबसे बड़ी हार होने वाली है। इसी चुनाव में NDA की सबसे बड़ी जीत होने वाली है। इन लोगों के मेनिफेस्टो में सिर्फ झूठी बातें है। इनके कार्यकर्ताओं को भी ये वादे हजम नहीं हो पा रहे हैं। ये झूठ बोलकर सिर्फ सत्ता में आना चाहते हैं, इनके पास कोई विजन नहीं है। अमित शाह ने कहा कि, राहुल बाबा ने बिहार में आकर छठ मइया का अपमान किया है। बिहार के लोग इसका बदला लेंगे। राहुल बाबा छठ मइया को आप और आपकी माता जी नहीं समझ पाएंगी। आपके कार्यकर्ताओं ने मोदी जी की माता जी को अपमानित किया और आपने छठ मइया का अपमान किया है। ये बिहार है जब 14 तारीख को डब्बे खुलेंगे, दूर-दूर तक NDA होगा। 6 नवंबर को मतदान है, आप सभी को कमल और तीर के निशान पर बटन दबाना है लेकिन आप ऐसा सोच कर बटन मत दबाना कि आपके वोट से कोई विधायक या मंत्री बनेगा बल्कि आप ये सोच कर वोट दीजियेगा कि आपका एक-एक वोट नीतीश जी और मोदी जी के नेतृत्व में बिहार को विकसित बनाने के लिए है। आपका एक एक वोट जंगलराज को रोकने के लिए है। कल राहुल बाबा ने मोदी जी को अपमानित करते-करते छठ मइया का अपमान किया। उन्होंने कहा कि छठ पूजा करने वाले नौटंकी करते हैं। राहुल बाबा छठ मइया को आप और आपकी माता जी नहीं समझ पाएंगी। आपके कार्यकर्ताओं ने मोदी जी की माता जी को अपमानित किया और आपने छठ मइया का अपमान किया है।

पटाखे फोड़ना-लाउडस्पीकर बजाना किसी धर्म में नहीं लिखा: सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज

एजेंसी
नई दिल्ली। कोई भी धर्म पर्यावरण को बर्बाद करने, जीव-जंतुओं को नुकसान पहुंचाने की इजाजत नहीं देता। पटाखे फोड़ना और लाउडस्पीकर बजाना अनिवार्य धार्मिक प्रथाएं नहीं हैं। दुर्भाग्य की बात है कि किसी भी राजनेता ने जनता से त्योहार मनाते समय प्रदूषण न फैलाने और पर्यावरण को नष्ट न करने की अपील नहीं की। ऐसा लगता है कि राजनीतिक वर्ग इस कर्तव्य को नहीं जानता या इसे लेकर सजग नहीं है। कुछ अपवाद छोड़ दिए जाएं तो यही बात हमारे धर्मगुरुओं के बारे में भी सच है।यह बात सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज, जस्टिस अभय एस ओक ने 29 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की लेक्चर सीरीज के दौरान कही। वे ह्यूमन राइट्स, क्लाइमेट जस्टिस एंड वी टुगेदर फॉर ए सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। गौरतलब है कि जस्टिस अभय ओक और जस्टिस नरसिम्हा की बेंच ने ही 2023 में दिल्ली-NCR में पटाखों से वायु प्रदूषण के मामले पर सुनवाई की थी। उन्होंने दिल्ली समेत पूरे देश में पटाखों पर बैन को सख्ती से लागू करने का आदेश दिया था। संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत मिली धार्मिक स्वतंत्रता भी पटाखे फोड़ने, लाखों लोगों का नदियों में नहाने, मूर्ति विसर्जन और धार्मिक उत्सवों में लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देती। धर्म के नाम पर प्रदूषण को सही ठहराने की आदत बढ़ती जा रही है, लेकिन हर धर्म हमें प्रकृति और जीवों की रक्षा का ही संदेश देता है।

बेंगलुरु- कपल ने कार से फूड डिलीवरी एजेंट को कुचला, मौत

एजेंसी
बेंगलुरु। एक कपल ने फूड डिलीवरी एजेंट को कार से कुचल कर हत्या कर दी। घटना जेपी नगर इलाके में 25 अक्टूबर को हुई है, लेकिन बेंगलुरु पुलिस ने बुधवार को रोड रेज के मामले की जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी मनोज केरल और उसकी पत्नी आरती जम्मू-कश्मीर की रहने वाली है। फूड डिलीवरी एजेंट दर्शन ने स्कूटी से टक्कर मारकर मनोज कुमार की गाड़ी का शीशा तोड़ दिया था। जिसका बदला लेने के लिए उन्होंने दर्शन को कार से टक्कर मार दी। शुरुआत में पुलिस ने इसे हिट एंड रन माना, लेकिन सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखा कि मनोज ने जानबूझकर स्कूटी को टक्कर मारी। जांच के बाद मामला हत्या में बदल दिया गया। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 9 बजे दर्शन की स्कूटी मनोज की कार से हल्के से टकराई, जिससे कार का शीशा टूट गया। दर्शन ने माफी मांगी और आगे बढ़ गया। लेकिन मनोज गुस्से में आ गया। उसने यू-टर्न लेकर करीब दो किलोमीटर तक स्कूटी का पीछा किया और जेपी नगर के पास दर्शन को पीछे से टक्कर मार दी।

पुलिस बोली: दिल्ली दंगे देश में सत्ता परिवर्तन की साजिश थी

हिंसा फैलाने की कोशिश हुई, सुप्रीम कोर्ट में 177 पन्नों का हलफनामा दाखिल

एजेंसी
नई दिल्ली। 2020 के दिल्ली दंगे कोई अचानक भड़की हिंसा नहीं थे, बल्कि केंद्र में सत्ता परिवर्तन करने की साजिश के तहत किए गए थे। इसका मकसद देश को कमजोर करना था। पुलिस ने यह बात 177 पन्नों के हलफनामे में कही है, जो सुप्रीम कोर्ट में उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर दाखिल किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, जांच में मिले गवाहों के बयान, दस्तावेज और तकनीकी सबूत बताते हैं कि यह दंगे नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के खिलाफ विरोध को हथियार बनाकर योजनाबद्ध तरीके से कराए गए थे। पुलिस का कहना है- इस साजिश के तहत देशभर में हिंसा फैलाने की कोशिश हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल, केरल और कर्नाटक जैसे राज्य भी शामिल थे। उमर खालिद और शरजील इमाम साजिशकर्ता थे, जिन्होंने लोगों को भड़काने का काम किया। दरअसल, दिल्ली में फरवरी 2020 में नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान 23 से 26 फरवरी तक हिंसा भड़क गई थी। जिसमें 53 लोगों की मौत हुई और सैकड़ों घायल हुए थे। दिल्ली पुलिस की ओर से सुप्रीम कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, वकील रजत नायर और ध्रुव पांडे पेश हो रहे हैं। पुलिस ने अदालत में कहा कि आरोपी बार-बार झूठी याचिकाएं दाखिल कर रहे हैं, ताकि केस की सुनवाई में देरी हो। यह न्याय प्रक्रिया में रुकावट डालने जैसा है। सुप्रीम कोर्ट अब पुलिस के इस हलफनामे पर सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने 29 अक्टूबर को आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर दिल्ली पुलिस को जवाब दाखिल करने के लिए दो हफ्तों का अतिरिक्त समय देने से मना कर दिया है।

कोर्ट ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई अब 31 अक्टूबर को होगी। सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पुलिस की ओर से और समय मांगा। लेकिन, जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा कि हमने आपको पर्याप्त समय दिया था।

मध्यप्रदेश में निवेश, नवाचार और रोजगार के संकल्प का अभ्युदय

डॉ. मोहन यादव

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि हम अपने ऐतिहासिक गौरव की दिव्यता और प्राकृतिक भव्यता के साथ विरासत से विकास की ओर कदम बढ़ा रहे है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को विश्व में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए विकसित भारत निर्माण का संकल्प दिया है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमारा देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प को साकार करने और विकसित भारत निर्माण के लिए मध्यप्रदेश में निरंतर प्रयास किये जा रहे है।

मध्यप्रदेश आज अपनी स्थापना के 70वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। एक नवंबर 1956 को अस्तित्व में आये मध्यप्रदेश में विकास की नई यात्रा विगत दो दशकों से आरंभ हुई, जो प्रदेश को देश में अग्रणी राज्य बनाने की संभावनाओं तक पहुंच गई है। यह सुखद संयोग है कि आज देवउठनी ग्यारस के पावन अवसर पर राज्योत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हमारे तीज, त्योहार और परंपराएं हमारी संस्कृति का आधार है। उत्सव के आनंद से ही भविष्य निर्माण के भाव निर्मित होते हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रदेश में सभी त्योहारों को व्यापक स्वरूप में मनाया जा रहा है। अपने त्योहारों का सांस्कृतिक संदर्भ ही हमें पुरातन से नूतन की प्रेरणा देता है। हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत का हृदय मध्यप्रदेश वन, जल, अन्न, खनिज, शिल्प, कला, संस्कृति, उत्सव और परंपराओं से समृद्ध है। हमें माँ नर्मदा, चंबल, पार्वती, शिप्रा नदियों का सान्निध्य और बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त है। यह भगवान परशुराम की जन्मस्थली, भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षास्थली और आदि शंकराचार्य जी की तपोस्थली है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने चित्रकूट में लंबा समय व्यतीत किया है। इतिहास प्रसिद्ध राजा नल, भर्तृहरि, विक्रमादित्य की जन्म स्थली भी मध्यप्रदेश रही है। सम्राट विक्रमादित्य ने ही शकों के आतंक से भारत को मुक्त किया था। संसार की पहली वैज्ञानिक कालगणना विक्रम संवत का आरंभ भी मध्यप्रदेश के उज्जैन से हुआ था।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि हम अपने ऐतिहासिक गौरव की दिव्यता और प्राकृतिक भव्यता के साथ विरासत से विकास की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को विश्व में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए विकसित भारत निर्माण का संकल्प दिया है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमारा देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प को साकार करने और विकसित भारत निर्माण के लिए मध्यप्रदेश में निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश में उद्योग वर्ष मनाने के साथ राज्योत्सव की थीम 'उद्योग और रोजगार' रखी गई है। इसमें प्रदेश के सतत विकास, सांस्कृतिक समृद्धि और जनभागीदारी का भाव है।

यशस्वी प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हमें निवेश और औद्योगिक विकास की यात्रा को परिणाम में बदलने का अवसर प्राप्त हो रहा है। विविधता से समृद्ध मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता, क्षमता और दक्षता है, जिसमें अनंत संभावनाएं हैं। इसी को केन्द्र में रखकर हमने प्रदेश

में रीजनल इन्वेस्टर्स समिट का नवाचार किया। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रदेश के हर क्षेत्र का कौशल और उद्योग इसमें शामिल हुआ है। व्यापार को सरल बनाने और निवेशकों से सीधे संवाद के लिए हमने मार्च 2024 से उज्जैन से निवेश यात्रा शुरू की और फिर जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा, शहडोल, नर्मदापुरम, मुंबई, कोयंबटूर, बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली, यूके, जर्मनी, जापान, दुबई तक इसे विस्तार दिया। विभिन्न सम्मेलनों, राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय रोड-शो के माध्यम से मध्यप्रदेश के निवेश में कई गुना वृद्धि हुई है।

निवेशकों को एक सक्षम, सरल और सुरक्षित वातावरण प्रदान किया गया है। प्रदेश में इनोवेशन हब, स्टार्टअप पॉलिसी, फंडिंग सपोर्ट और इन्क्यूबेशन नेटवर्क स्थापित कर देश की स्टार्टअप क्रांति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है।

मुझे यह बताते हुए खुशी है कि मध्यप्रदेश ने पिछले एक वर्ष में औद्योगिक निवेश के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों ने प्रदेश में निवेश के प्रति गहरी रुचि दिखाई है। खनिज कॉन्क्लेव में प्रदेश को 56 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले, जो खनिज नीति और प्रशासनिक सरलता का परिणाम हैं। आईटी पार्क, इलेक्ट्रॉनिक निर्माण इकाइयों और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में भी निवेश को प्रोत्साहन मिला है।

मुझे यह बताते हुए हर्ष है कि प्रदेश एक ऐसे परिवर्तनकाल से गुजर रहा है जहां निवेश, नवाचार और रोजगार आधार स्तंभ हैं। लगभग दो वर्षों में प्रदेश ने उद्योग, कृषि, दुग्ध उत्पादन, पर्यावरण, ऊर्जा और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियाँ अर्जित की हैं।

भारत के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमें गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी (ज्ञान) के सम्मान का मंत्र दिया है। विकास के इस आधार स्तंभ के अनुरूप प्रदेश विकास और कल्याण के लिए युवा शक्ति, गरीब कल्याण, किसान कल्याण और नारी सशक्तिकरण मिशन के तहत कार्य किया जा रहा है।

गरीब कल्याण मिशन में स्वरोजगार और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, आवास, शिक्षा एवं स्वास्थ्य की सुविधा आदि की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश कौशल विकास मिशन और स्टार्टअप नीति 2025 ने युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर में परिवर्तित किया है। कौशल विकास मिशन के माध्यम से युवाओं को उद्योग-आधारित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। रोजगार मेले, अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम और डिजिटल स्किल सर्टिफिकेशन जैसे प्रयास युवाओं को रोजगार से जोड़ रहे हैं। रोजगार सृजन हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शासकीय और निजी क्षेत्रों में युवाओं के लिए स्थायी, कुशल और सम्मानजनक अवसर उपलब्ध किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने शासकीय भर्ती का कैलेण्डर जारी किया और उसके अनुरूप भर्ती प्रक्रिया भी आरंभ हो गई है।

कृषि क्षेत्र को नवाचार के साथ सशक्त बनाने की दिशा में एक नई क्रांति का सूत्रपात हुआ है। प्रदेश सरकार ने ड्रोन आधारित फसल निरीक्षण, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली और कृषि उत्पाद मूल्य संवर्धन पर विशेष फोकस किया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और मुख्यमंत्री खेत-तालाब योजना सहित अन्य प्रयासों से किसानों के लिए सिंचाई क्षेत्र बढ़ाने का लगातार प्रयत्न किया जा रहा है। केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना से प्रदेश के किसानों को सिंचाई और पानी की सुविधा व्यापक स्तर पर उपलब्ध होगी। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 52 लाख हेक्टेयर से अधिक हो चुका है। इसे दोगुना करने का लक्ष्य है। आगामी 3 वर्षों में सिंचाई क्षेत्र का रकबा 100 लाख हेक्टेयर करने की योजना है। कृषि उपज का प्रत्यक्ष भुगतान, ऑनलाइन मंडी व्यवस्था और जैविक खेती के प्रोत्साहन ने अन्नदाताओं की आय में वृद्धि की है। मध्यप्रदेश गेहूं, सोयाबीन, चना और मसालों के उत्पादन में अग्रणी प्रदेश है। महिला सशक्तिकरण को आर्थिक स्वावलंबन से जोड़ने की दिशा में नारी शक्ति मिशन परिवर्तनकारी सिद्ध हो रहा है। लाड़ली बहना योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा मिली है। महिला उद्यमिता नीति के तहत महिलाओं को लघु उद्योग, डेयरी, हस्तशिल्प और सेवा क्षेत्र में अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। महिलाओं द्वारा संचालित स्व-सहायता समूह को वित्तीय सहायता और बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। यह मिशन नारी शक्ति ही नहीं बल्कि नये भारत की आधारशिला है।

गौ-धन हमारी अर्थव्यवस्था का स्थायी स्तंभ बने इसके लिए हमने गौ-संवर्धन और दुग्ध उत्पादन को आर्थिक नवाचार का केंद्र बनाया है। मुख्यमंत्री गौ-संवर्धन मिशन के तहत प्रदेशभर में गौ-अभयारण्य और गौ-सेवा केंद्रों की स्थापना की गई है। लगभग दो वर्षों में प्रदेश ने दुग्ध उत्पादन में गुणात्मक वृद्धि हासिल की है।

मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और प्रदेशवासियों के सहयोग और संबल से कल्याणकारी नीतियों और निर्णयों को अमल में लाने में सफलता प्राप्त हुई है। मध्यप्रदेश की स्वर्णिम यात्रा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के साथ आगे बढ़ रही है। गरीब के चेहरे पर मुस्कान, किसान की खुशहाली, नारी का सम्मान और युवाओं का उज्ज्वल भविष्य हमारा संकल्प भी है और लक्ष्य भी। आइये, हम सब मिलकर समग्र विकास के साथ आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाएं और विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनें।

प्रदेशवासियों को मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस की मंगलकामनाएं...।

संपादकीय

किसानों का एक और 'यलगार'

अब बारी महाराष्ट्र के नाराज किसानों की है। राज्य में भाजपा-महायुति सरकार बने 10 माह बीत चुके हैं। किसान अशांत और असंतुष्ट हैं कि चुनाव के दौरान कर्जमाफी, फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद, दिव्यांग किसानों के मानदेय आदि पर जो वायदे किए गए थे, अभी तक अधूरे हैं। उन्हें लागू क्यों नहीं किया जा रहा है? महाराष्ट्र सरकार आर्थिक संकट का रोना रो रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने बीती 29 अक्तूबर को तुरंत कर्जमाफी से इंकार कर दिया है। फसल बीमा योजना किसानों को बेवकूफ बना रही है। कंपनियां मालामाल हो रही हैं। राज्य सरकार 1 रुपए की जो 'प्रतीकात्मक किस्त' देती थी, उसे भी बंद कर दिया गया है, क्योंकि उसमें 5000 करोड़ रुपए की बचत हुई है। लिहाजा किसान एक बार फिर आंदोलित हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के नागपुर में 'यलगार' का उद्घोष किया है। करीब 1.5 लाख किसानों ने सड़कें अवरुद्ध कर चक्का जाम कर दिया है, नतीजतन बॉम्बे उच्च न्यायालय को खुद संज्ञान लेकर आदेश जारी करना पड़ा है कि किसान सड़कें, राजमार्ग खाली करें। जनता को बहुत असुविधा हो रही है, लेकिन बुधवार रात तक किसान 'यलगार' को जारी रखने पर आमादा थे। आंदोलन का नेतृत्व पूर्व मंत्री बच्चू कडु कर रहे हैं, जो 'प्रहार जनशक्ति पार्टी' के संस्थापक हैं। सवाल है कि 'यलगार' किसानों का है अथवा यह राजनीतिक लामबंदी है? हालांकि राज्य सरकार ने जून, 2025 में कर्जमाफी पर एक कमेटी बनाई थी। उसकी रपट और अनुशंसाएं आ गई हैं अथवा नहीं, यह अभी निश्चित नहीं है। दरअसल बुनियादी मुद्दा किसान की कर्जमाफी का है। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार ने 2008 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की रूपरेखा के मुताबिक, किसानों के 72,000 करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए थे। इस आंकड़े पर विवाद है, क्योंकि मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी का दावा है कि कुल 53,000 करोड़ रुपए के कथित कर्ज माफ किए गए। उनमें कई लाभार्थी 'फर्जी' थे अथवा कुछ लोग दिवंगत हो चुके थे, लेकिन उनके नाम पर कर्जमाफी की गई। बहरहाल इस आंकड़े को भी छोड़ते हैं, लेकिन उसके बाद कर्जमाफी एक 'राजनीतिक फैशन' बन गई, लिहाजा राज्य सरकारों ने भी किसानों के कर्ज माफ किए।

चिंतन-मनन

व्यक्ति-निर्माण समाज पर निर्भर

व्यक्ति का निर्माण केवल उसी पर नहीं, बहुत कुछ अंशों में समाज पर निर्भर है इसलिए उसे अपने निर्माण को समाज के निर्माण में देखना है। सफलता का पहला सूत्र है- मूल्यों का परिवर्तन। समाज का निर्माण मूल्यों के परिवर्तन से ही होता है। स्वार्थ और संग्रह, ये दोनों मूल्य जब विकसित होते हैं तब व्यक्ति पुष्ट होता है और समाज क्षीण। क्षीण समाज में समर्थ व्यक्तित्व विकसित नहीं हो पाते। आज का समाज सही अर्थ में क्षीण है। उसे पुष्ट करने के लिए स्वार्थ और विसर्जन के मूल्यों को विकसित करना जरूरी है। इनसे समाज पुष्ट होगा। पुष्ट समाज में समर्थ व्यक्तित्व पैदा होंगे। क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परायण समाज ने अनेक प्रकार की कुंठाओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अभ्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है।

हमारे पूज्य भिक्षु स्वामी ने संगठन का मूल्य दो शताब्दी पूर्व ही समझ लिया था। उनके अनुयायियों को क्या उसे अब भी समझना है। वात्सल्य और सहानुभूति को विकसित किए बिना संगठन सुदृढ़ नहीं हो सकता। आज सबकुछ शक्ति-संचय के आधार पर हो रहा है। इसलिए संगठन अब अनिवार्य हो गया है। छोटे-छोटे प्रश्न इस महान कार्य में अवरोध नहीं बनने चाहिए। सफलता का तीसरा सूत्र है- शाश्वत परिवर्तन का यथार्थ-बोध। कुछ स्थितियां देशकालातीत होती हैं। उन्हें बदलने की जरूरत नहीं है, किंतु देशकाल सापेक्ष स्थितियों का देशकाल के बदलने के साथ न बदलना असफलता का मुख्य हेतु है। परिवर्तन के विषय में युवकों का दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट होना चाहिए। बदलना अपने आप में कोई उद्देश्य नहीं है और नहीं बदलना कोई सार्थकता नहीं है। बदलने की स्थिति होने पर बदलना विकास की अनिवार्य प्रक्रिया है।

महागठबंधन की राह चुनौती बने ओवैसी

कुमार कृष्णन

बिहार चुनाव की राजनीतिक सरगर्मी अपने चरम पर है और जुबानी जंग तेज हो गई है। इसी क्रम में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मुंगेर के चरवाहा विद्यालय परिसर में महागठबंधन को अपने निशाने पर लिया। इसके अलावा गोपालगंज और अन्य क्षेत्रों में भी जनसभाएं की। हेलीकॉप्टर से चुनावी जंग में प्रवेश हुआ। उन्होंने महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार (तेजस्वी यादव) और उपमुख्यमंत्री उम्मीदवार (वीआईपी के मुकेश सहनी) पर तीखा तंज कसा। उन्होंने सवाल उठाया कि जहां मल्लाह समाज (3 फीसदी आबादी) के नेता को उपमुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया जाता है, वहीं राज्य की 17 फीसदी मुस्लिम आबादी को न तो मुख्यमंत्री और न ही उपमुख्यमंत्री का पद दिया जाता है। उन्होंने कहा कि ये सामाजिक न्याय नहीं, बल्कि खुले तौर पर राजनीतिक भेदभाव है, जिससे मुस्लिम समुदाय को दरकिनार किया जा रहा है।

ओवैसी ने महागठबंधन की सामाजिक न्याय की परिभाषा पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि 14 फीसदी आबादी वाले यादव समाज का नेता मुख्यमंत्री चेहरा रहा है (तेजस्वी यादव), और 3 फीसदी आबादी वाले मल्लाह समाज का बेटा उपमुख्यमंत्री का उम्मीदवार है (मुकेश सहनी)। उन्होंने सीधे-सीधे पूछा कि जब इन समुदायों को मौका मिल रहा है, तो 17 फीसदी की बड़ी आबादी वाले मुसलमानों को न मुख्यमंत्री बनने दिया जाता है और न उप मुख्यमंत्री। ओवैसी के अनुसार, ये महागठबंधन की रणनीति में एक बड़ा विरोधाभास और राजनीतिक पाखंड है।ओवैसी ने महागठबंधन के उपमुख्यमंत्री उम्मीदवार मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी की राजनीतिक हैसियत पर भी सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि वीआईपी महागठबंधन में चौथे नंबर की पार्टी है। हैरानी की बात ये है कि वर्तमान में उनका न कोई विधायक है और न ही कोई सांसद है। उन्होंने कहा कि राजद (74 विधायक), कांग्रेस (19 विधायक), सीपीआई-माले (12 विधायक) और अन्य लेफ्ट दलों (4 विधायक) के बाद भी एक ऐसी पार्टी को उप मुख्यमंत्री चेहरा बनाया गया, जिसका विधानसभा में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। ओवैसी केवल महागठबंधन पर ही नहीं रुके। उन्होंने बीजेपी और जदयू को भी घेरा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार 20 साल से सत्ता में हैं, लेकिन उनका दिल अभी भी राजगीर में है, जबकि लालू प्रसाद और राबड़ी देवी का ध्यान सिर्फ अपने बेटे तेजस्वी पर है। साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि उनका दिल तो अहमदाबाद में बसता है। ओवैसी ने कहा कि जब वो मुसलमानों के अधिकारों की बात करते हैं, तो उन्हें बीजेपी की बी-टीम कह दिया जाता है, जबकि कोई भी मुख्य दल उनके अधिकारों की बात नहीं करता। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि मुस्लिम समुदाय अपनी खुद की नेतृत्व क्षमता विकसित करे। ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' का दावा करने वाली भाजपा चुनावों में एक भी मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट नहीं देती। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर 'घुसपैठियों' का मुद्दा उठाकर साम्प्रदायिक माहौल बनाने का आरोप लगाते हुए ओवैसी ने कहा, 'अगर इतनी घुसपैठ होती है तो बीएसएफ किसलिए तैनात है?' ओवैसी ने कहा कि कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और समाजवादी पार्टी जैसे दल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के डर का हवाला देकर मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करते हैं, लेकिन वे न तो भाजपा को रोक पाए हैं, न ही टिकट बंटवारे में मुसलमानों को उचित प्रतिनिधित्व दे पाए हैं। उन्होंने मुसलमानों से उनकी पार्टी एआईएमआईएम को वोट देने की अपील करते हुए कहा, यदि वे चाहते हैं कि उनके मुद्दे विधानसभा में मजबूती से उठें, तो उन्हें अपना नेतृत्व खुद चुनना होगा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के 'नमक हराम' वाले बयान की भी आलोचना करते हुए कहा कि, सरकार की योजनाओं से मिलने वाला लाभ जनता का हक है, किसी शासक की बपौती नहीं है। ओवैसी ने प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा, 'मोदी का दिल अहमदाबाद में, नीतीश का दिल राजगीर में, और लालू का दिल अपने बेटे में बसता है। आम लोगों के लिए किसी का दिल नहीं धड़कता।'

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने जारी अपनी सूची में पार्टी ने कुल 25 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। महागठबंधन (इंडिया ब्लॉक) में शामिल होने का प्रस्ताव ठुकराए जाने के बाद, एआईएमआईएम ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है और अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

पार्टी ने इस बार अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए दो

गैर-मुस्लिम चेहरों को भी टिकट दिया है, जो बिहार में अपने जनाधार को सिर्फ मुस्लिम समुदाय तक सीमित न रखने का एक स्पष्ट संकेत है। इनमें ढाका विधानसभा सीट से पूर्व भाजपा विधायक के भाई राणा रणजीत सिंह और सिकंदरा (एससी सुरक्षित सीट) से मनोज कुमार दास का नाम शामिल है।

एआईएमआईएम की इस सूची में सबसे प्रमुख नाम बिहार इकाई के अध्यक्ष और एकमात्र विधायक अख्तरुल ईमान का है, जिन्हें एक बार फिर अमौर सीट से मैदान में उतारा गया है। इसके अलावा, सीमांचल क्षेत्र पर पार्टी का विशेष ध्यान बना हुआ है, जहां पिछली बार (2020) में उसने 5 सीटें जीती थीं। कोचाधामन, बहादुरगंज, किशनगंज, बायसी और जोकीहाट जैसी मुस्लिम बहुल सीटों पर पुराने और नए चेहरों को मौका दिया गया है।एआईएमआईएम का सीमांचल क्षेत्र पर विशेष ध्यान मुख्य रूप से राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करता है, खासकर सीमांचल के इलाकों में जहां मुस्लिम वोट बंटने की आशंका से महागठबंधन की राह कठिन हो सकती है। पार्टी ने कहा है कि उसका लक्ष्य बिहार के सबसे वंचित और उपेक्षित तबकों की आवाज बनना है।

बदलते भारत की सशक्त तस्वीर: महिला क्रिकेट टीम की उड़ान

दिलीप कुमार पाठक

महिला वर्ल्ड कप 2025 सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 338 रनों का लक्ष्य चेज कर 5 विकेट से जीत हासिल की है और फाइनल में प्रवेश किया। अब तक यह कारनामा कभी नहीं हुआ था ' ये हमारी बेटियों की प्रतिभा एवं मेहनत का प्रतिफल है ' कुछ हासिल करने में वक्त लगता है ' अब जब हम आईसीसी मुख्यालय देखने जाएंगे तो आईसीसी ने अपने मुख्यालय के मुख्य दरवाजे पर एक तस्वीर लगा रखी है, उस तस्वीर में दिख रही है गाँव की एक छोटी सी लड़की हाथ में बैट - गेंद लेकर क्रिकेट खेल रही है, ये तस्वीर आईसीसी के विजन को दर्शाती है ' आईसीसी चाहता है कि क्रिकेट दुनिया की आखिरी लड़की तक पहुँचे और उसी दिन क्रिकेट की प्रमुख सफलता होगी '

आईसीसी चाहता तो सर डॉन ब्रैडमैन, सचिन तेंदुलकर, शेन वार्न की तस्वीरें लगा सकता था, परंतु आईसीसी चाहता है कि दुनिया में ये संदेश जाए कि क्रिकेट केवल पुरुषों का खेल नहीं है ' इस जेंटलमेन खेल का लिंग से कोई लेना देना नहीं है, बल्कि शारीरिक फिटनेस एवं इच्छाशक्ति मायने रखती है ' हमारे देश में जहां आम तौर पर बेटियाँ क्रिकेट नहीं खेलतीं चूंकि हमारे यहां लोगों की धारणाएं हैं कि ये खेल तो लड़कों का है, हमारे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियां न तो क्रिकेट खेलती हैं, और न देखती हैं, यही कारण है कि पूरी तरह से ग्रामीण क्षेत्रों में क्रिकेट की समझ विकसित नहीं हुई है ' इस बार बेटियों की सफलता भारत की ग्रामीण लड़कियों के लिए भी दरवाजे खोल देगी ' हमारे देश में हर क्षेत्र में बेटियों ने अब तक परचम लहराया है, परंतु क्रिकेट के क्षेत्र में हमारे देश की बेटियाँ दशकों से संघर्ष कर रही हैं, हालांकि इस बार फाइनल में पहुँचने के बाद उम्मीदें बढ़ गई हैं ' भारतीय महिला क्रिकेट टीम इतिहास रचने के करीब है, यह बदलते हुए भारत की सशक्त तस्वीर है ' पहले भारत में महिला क्रिकेटरों में केवल अंजुम चोपड़ा ही फेमस थीं, परंतु धीरे-धीरे ही सही आज पूरी टीम की लड़कियां दुनिया भर में अपनी पहिचान रखती हैं, जिनका दर्जा किसी सुपरस्टार से ज्यादा है ' महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, ओपनर स्मृति मन्धाना, शेफाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष हरलीन देओल सहित स्टार महिला क्रिकेट पूरी दुनिया में भारत की क्रिकेट का प्रतिनिधित्व करती हैं जिनमें मिताली राज, झूलन गोस्वामी जैसी पूर्व स्टार क्रिकेटर्स भी शामिल हैं '

महिला वनडे विश्व कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में गुरुवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फोबे लिचफील्ड के 119 रनों की मदद से 338 रन बनाए। जवाब में भारत ने जेमिमाह रोड्रिगेज की नाबाद 127 और कप्तान हरमनप्रीत कौर की 89 रनों की पारी के दम पर 48.3 ओवर में 341/5 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। यह महिला वनडे क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा सफल लक्ष्य पीछा है, साथ ही वनडे विश्व कप (पुरुष-महिला) के नॉकआउट मुकाबले में पहली बार 300 से अधिक रनों का चेज हुआ है। इस मैच की शुरुआत भारत के लिए चुनौतीपूर्ण रही। पावरप्ले में शेफाली वर्मा (10) और स्मृति मंधाना (24) जल्दी आउट हो गईं। लेकिन जेमिमाह और हरमनप्रीत ने तीसरे विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी कर मैच को संभाला। जेमिमाह ने 134 गेंदों में 17 चौके जड़ते हुए नाबाद 127 रन बनाए, जबकि हरमनप्रीत ने 88 गेंदों पर 89 रन ठोंके। बाद में दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष और अमनजोत कौर ने उपयोगी योगदान दिया। अंतिम ओवरों में भारत ने दबाव में भी संयम बनाए रखा और 7 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। यह जीत ऑस्ट्रेलिया के 15 मैचों के विजय क्रम अजेय क्रम को भी समाप्त करने वाली साबित हुई। इस जीत ने कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। महिला वनडे में सबसे बड़ा सफल लक्ष्य चेज अब भारत के नाम है और ऑस्ट्रेलिया के 331 रनों के पुराने रिकॉर्ड को भारतीय खिलाड़ियों ने पीछे छोड़ दिया है। वनडे विश्व कप के नॉकआउट चरण में यह पहला मौका है जब 300 से अधिक रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया गया हो। इससे पहले पुरुष वर्ग में 2015 विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 298 रनों का लक्ष्य चेज किया था। यह जीत भारतीय महिला क्रिकेट के लिए मील का पत्थर है। 2005 और 2017 के फाइनल हार के बाद तीसरी बार फाइनल में पहुँची टीम अब खिताब की प्रबल दावेदार है। 3 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मुकाबला होगा। स्टेडियम में गूंजे भारत माता की जय के नारों ने इस ऐतिहासिक जीत को और भी यादगार बना दिया। यह चेज अब रिकॉर्ड बुक में दर्ज है और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा।

एक ऐतिहासिक विजय क्रिकेट को बदल कर रख देती है, जिस तरह से भारतीय क्रिकेट 1983 की विजय के बाद गाँव - गाँव पहुँच गया था, ठीक इस बार भी बेटियों की विजय बने बनाए प्रतिमानों को तोड़ देगी कि क्रिकेट लड़कों का खेल है और यह वह बदलते हुए भारत की सशक्त तस्वीर होगी, पूरा भारत अपनी बेटियों के विजय को राह देख रहा है '

(लेखक पत्रकार हैं)

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बंधु बैठक आहूत

उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो: जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़

पीएचएम संवाददाता

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी गाजियाबाद द्वारा जनपद के उद्यमियों एवं औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा विभागीय अधिकारियों के साथ जिला स्तरीय उद्योग बंधु बैठक का आयोजन किया गया जिला अधिकारी द्वारा दिए गए कड़े निर्देश, उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण त्वरित रूप से हो। इंद्रप्रस्थ योजना पॉकेट बी में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्र में अवस्थापना संबंधी कार्य पूर्ण न होने के कारण उद्यमियों को उद्योग स्थापना में हो रही देरी को संज्ञान में लेते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि वे उक्त क्षेत्र में वांछित समतलीकरण, सड़क निर्माण आदि कार्य 3 महीने के अंदर पूर्ण करना सुनिश्चित करें तथा ऐसे उद्यमी जिनके भूखंड के बदले में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा धनराशि वापस की जानी है, के संबंध में मानक के अनुसार ब्याज आदि का आंकलन करने हेतु जिलाधिकारी गाजियाबाद की अध्यक्षता में सचिव जीडीए एवं उद्यमियों के साथ बैठक बैठक करने का निर्णय लिया गया। ट्रांस दिल्ली सिग्नेचर सिटी लोनी औद्योगिक क्षेत्र में विभिन्न सेक्टर में पूर्व में स्थापित टंकियों को पुनः संचालित किए जाने के संबंध में वरिष्ठ प्रबंधक, सिविल तृतीय, यूपीसीडा को यह जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया कि उक्त टंकियों का निर्माण कब किया गया, टंकियां संचालित हुई अथवा नहीं, टंकी क्यों संचालित नहीं की गई। उक्त जांच रिपोर्ट के आधार पर एक पत्र मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपीएसआईडीए, कानपुर को जिलाधिकारी महोदय की ओर से प्रेषित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। दिल्ली लोनी रोड पर नालों का गंदा पानी जवाहर गेट मेट्रो स्टेशन से 02 नंबर बस स्टैंड तक अधिकांश भरा रहने की समस्या पर जिलाधिकारी गाजियाबाद द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त समस्या के स्थाई समाधान हेतु शासन से रुपए 32 करोड़ स्वीकृत करा लिया गया है, इसके संबंध में सीएंडडीएस द्वारा ड्रोन सर्वे का कार्य भी पूर्ण कराया जा चुका है, जिसकी रिपोर्ट एक सप्ताह के अंदर प्राप्त हो जाएगी। आगामी बरसात से पहले क्षेत्र में समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा। अमृत स्टील कंपाउंड इंडस्ट्रियल एरिया में सड़कों एवं नालियों के निर्माण के संबंध में यूपीएसआईडीए मुख्यालय पर स्वीकृति हेतु लंबित एस्टीमेट को जिलाधिकारी द्वारा उपलब्ध कराए जाने हेतु डीजीएम यूपीसीडा को निर्देशित किया गया। 33 /11 केवी विद्युत उपकेंद्र चावी पोस्ट पर जल भराव की निकासी संबंधी प्रकरण में विद्युत विभाग की केबल को एक सप्ताह के अंदर अन्यत्र स्थापित करते हुए प्रगति से अवगत कराने हेतु अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड लोनी को निर्देशित किया गया। कार्बन कॉन्टिनेंटल इंडिया लिमिटेड के पास स्थित पार्क के सौंदर्यीकरण एवं नाले के पास से जा रही स्टीम की लाइन के कारण रुके हुए नाले के काम को शीघ्र पूर्ण कराए जाने का अनुरोध औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। जिलाधिकारी गाजियाबाद द्वारा मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद की अध्यक्षता में उपायुक्त उद्योग, क्षेत्रीय अधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय प्रबंधक उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण, उपमहाप्रबंधक सिविल उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण की टीम गठित करते हुए नाला निर्माण में बाधक स्टीम लाइन एवं स्टीम सप्लाई आदि बिंदुओं पर जांच करने हेतु निर्देशित किया गया तथा उक्त समस्या के स्थाई समाधान हेतु औद्योगिक संगठनों को भी सम्मिलित कर उनसे सुझाव प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया गया। यदु गैस एजेंसी यूपीसीडा पार्क पर अवैध कब्जा संबंधी प्रकरण पर जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी सदर, तहसीलदार सदर एवं उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के उपमहा प्रबंधक, क्षेत्रीय प्रबंधक की एसआईटी गठित की गई एवं 10 दिन के अंदर संयुक्त जांच रिपोर्ट उनके सम्मुख प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा क्षेत्रीय प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि उक्त पार्क से संबंधित आवश्यक अभिलेख भी उपलब्ध कराएंगे। औद्योगिक क्षेत्र में अवैध रूप से खड़े वाहनों पर निरंतर चालान की कार्यवाई करने हेतु पुलिस प्रतिनिधि यातायात गाजियाबाद को निर्देशित किया गया। उक्त के अतिरिक्त जिलाधिकारी गाजियाबाद द्वारा सभी बिंदुओं पर गंभीर समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्रत्येक प्रकरण में शीघ्र कार्यवाई करना सुनिश्चित करें एवं प्रगति हेतु आगामी बैठक का इंतजार न करें। आगामी बैठक में सभी बिंदुओं पर गंभीर समीक्षा की जाएगी। उक्त के अतिरिक्त जिलाधिकारी गाजियाबाद द्वारा बैठक में उपस्थित सभी उद्यमियों एवं औद्योगिक संगठनों से अपील की गई की वे जनपद में स्थापित ऐसी औद्योगिक इकाई जिनके द्वारा अवैध रूप से केमिकल, गंदा पानी जमीन में डाला जा रहा है, के विषय में जानकारी उपलब्ध कराएं तथा ऐसी औद्योगिक इकाइयों एवं उद्यमियों के विरुद्ध कार्यवाही में सहयोग प्रदान करें। बैठक में उपस्थित सभी उद्यमियों एवं औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा आश्वस्त किया गया कि ऐसी ऐसी औद्योगिक इकाई जो अवैध रूप से भूगर्भ जल को दूषित करने का कार्य कर रही हैं, को तत्काल रोका जाए जिसके लिए औद्योगिक संगठन जिला प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान करने को सहमत है। जिलाधिकारी गाजियाबाद द्वारा अवगत कराया गया कि ऐसी औद्योगिक इकाइयों का विवरण निकालकर अभियान चलाया जाएगा। अभियान में दोषी उद्यमी/इकाई के विरुद्ध नियमानुसार धाराओं के अंतर्गत कार्यवाई की जाएगी। उक्त बैठक के उपरांत उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023 के अंतर्गत हस्ताक्षर किए गए एम ओ यू को क्रियान्वित किए जाने तथा ऐसे निवेशक जिन्हें अपनी परियोजना स्थापित करने हेतु भूमि की आवश्यकता है अथवा किसी विभागीय अनापत्ति/सहमति लाइसेंस आदि के प्राप्त न होने के कारण परियोजना क्रियान्वित नहीं हो पा रही है, के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद अभिनव गोपाल द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं निवेशकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीय प्रबंधक यूपीएसआईडीए तथा मुख्य नगर नियोजक गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, अधीक्षण अभियंता उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी गाजियाबाद आदि विभागों को निवेशकों को भूमि के विकल्प उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया तथा उक्त बैठक की समीक्षा आगामी हफ्ते में पुनः किए जाने का निर्णय लिया गया।

शहर विधानसभा की हर समस्या का समाधान होगा: संजीव शर्मा

पीएचएम संवाददाता

गाजियाबाद। 29 अक्टूबर दोपहर 2 बजे रमते रोड पर जल भराव की समस्या से निजात दिलाने को लेकर नगर आयुक्त विक्रमा दित्य मलिक, अपर नगर आयुक्त अवनिंद्र सिंह, चीफ इंजीनियर नरेंद्र, स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश सहित रमते राम रोड व्यापार मंडल से अशोक भारतीय शरद गर्ग, उपेंद्र शर्मा, पार्षद राजीव शर्मा, सहित चौपला व्यापार मण्डल के अनेक व्यापारियों के साथ गंज के चौक से जवाहर गेट तक नाले का निरीक्षण करते हुए एक सप्ताह के अंदर नाले की सफाई करवाकर सुचारू रूप से पानी निकासी का समय दिया

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका की समीक्षा बैठक आहूत

पीएचएम संवाददाता

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में मा.मुख्यमंत्री डैशबोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका (विकास कार्यों से सम्बंधित) की समीक्षा बैठक आहूत हुई। बैठक के दौरान पुस्तिका में जनपद की रैंक 46 है जिसमें विकास कार्यों में 31 व राजस्व कार्यों में 46 है। प्रदर्शित 76 योजनाओं में से 13 योजनाएं जनपद में संचालित नहीं है। शेष 63 योजनाओं में ए ग्रेड में 56, बी ग्रेड में 03, सी ग्रेड में 01 व डी ग्रेड में 03 प्राप्त हुए। जिसमें बी ग्रेड में निपुण परीक्षा अंकलन, मध्यान्ह भोजन एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति व नई सड़कों का निर्माण, सी ग्रेड में फैमिली आईडी व डी ग्रेड में पीएम सूर्य घर--मुफ्त बिजली योजना, डे एनआरएलएम आरएफ सीआईएफ, निर्माण कार्य (सीएमआईएस) रही। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बी, सी व डी ग्रेड लाने वाले विभागों के अधिकारियों को अपने कार्यशैली में सुधार करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही जनपद की रैंक में उत्कृष्ट सुधार हेतु सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया। जनपद में संचालित योजनाओं में पंडित दीन दयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना, सोलर स्ट्रीट लाईट बैकिंग्स ग्राम उन्नति योजना, एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एम. आई. डी. एच.), पर ड्रॉप मोर क्राप-माइक्रोइरिगेशन, खराब ट्रांसफॉर्मर की शिकायतें, दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे - ग्रामीण नगा, दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे – शहरी नगा, विद्युत बिल में सुधार हेतु आवेदन, कृषि रक्षा रसायन डी०बी०टी०,प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम-कुसुम, बीज डी०बी०टी०, डे एनआरएलएम आरएफ सीआईएफ, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मनरेगा, भवन निर्माण, सड़क निर्माण, एम्बुलेंस 102, एम्बुलेंस 108, टेली रेडियोलॉजी, बायोमेडिकल उपकरण रखरखाव कार्यक्रम, सीटी स्कैन सेवाएँ, दुग्ध मूल्य भुगतान की स्थिति, दिव्यांग पेंशन, दिव्यांग पेंशन आधार सीडिंग, जल जीवन मिशन हर घर जल (चरण 1,2,3,5) उ. प्र. फैमिली आई०डी०, 15वां वित्त आयोग ग्राम पंचायत, 5वां राज्य वित्त आयोग ग्राम पंचायत, एस०बी०एम० (जी०) फेज-2 व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)- फेज 2, राज्य योजना, सामाजिक वनीकरण (प्रपत्र-37), ऑपरेशन कायाकल्प, निपुण परीक्षा आंकलन, पी० एम० पोषण - विद्यालय निरीक्षण, मध्यान्ह भोजन एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति, अण्डा उत्पादन, निराश्रित गोवंश का संरक्षण, पशु टीकाकरण, पशुओं मे कृत्रिम गर्भाधान, संरक्षित निराश्रित गोवंश की सुपुर्दगी, शादी अनुदान योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मत्स्य उत्पादन, निराश्रित महिला पेंशन का आधार सीडिंग, पति की मृत्यु उपरांत निराश्रित महिला पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, प्रोजेक्ट अलंकार, नई सड़कों का निर्माण, सड़कों का अनुरक्षण, कन्या विवाह सहायता योजना, मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना, ओ.डी.ओ.पी वित्त पोषण योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन का आधार सीडिंग, जिला सहकारी बैंक अल्पकालीन ऋण वितरण एवं वसूली, टेल फीडिंग (खरीफ फसली), निर्माण कार्य (सीएमआईएस) हैं, जो अतिरिक्त ऊर्जा, उद्यान, ऊर्जा, कृषि, ग्राम्य विकास, ग्रामीण अभियन्त्रण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, दुग्ध विकास, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, नियोजन, पंचायतीराज, पर्यटन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, प्राथमिक शिक्षा, पशुधन, पिछड़ा वर्ग कल्याण, मत्स्य, महिला एवं बाल विकास, महिला एवं बाल विकास, माध्यमिक शिक्षा, युवा कल्याण, लोक निर्माण, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता, श्रम एवं सेवायोजन, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम, समाज कल्याण, सहकारिता व लोक शिकायत से सम्बंधित थे।

एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज द्वारा भारत के सर्वोच्च न्यायालय का शैक्षणिक भ्रमण

पीएचएम संवाददाता

गाजियाबाद। एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज ने विद्यार्थियों के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया। इस यात्रा का उद्देश्य विधि (ऑन.) के विद्यार्थियों को देश की सर्वोच्च न्यायिक संस्था के कार्यप्रणाली से परिचित कराना और भारत की न्यायिक व्यवस्था की गहराई से समझ विकसित करना था। यह भ्रमण सुश्री आकांक्षा सिंह और सुश्री इसमत हिना के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को न्यायालय की कार्यवाही को प्रत्यक्ष रूप से देखने, न्यायिक प्रक्रिया को समझने और संविधान की रक्षा एवं न्याय प्रदान करने में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को जानने का अवसर देना था। विद्यार्थियों ने एक महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई देखी, जिससे उन्हें न्यायालय की कार्यप्रणाली, तर्क-वितर्क की प्रक्रिया और न्यायाधीशों के निर्णय लेने के तरीके को नजदीक से समझने का मौका मिला। इस अनुभव से उन्हें न्यायिक विवेचना और कानून की व्याख्या के महत्व का ज्ञान हुआ। भ्रमण के दौरान छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट लाइब्रेरी का भी दौरा किया, जहाँ उन्हें कानून से संबंधित विशाल संग्रह देखने को मिला।

इस पुस्तकालय में संविधान कानून, अंतरराष्ट्रीय कानून और न्यायशास्त्र जैसे विषयों पर हजारों पुस्तकें, जर्नल और रिपोर्ट्स मौजूद हैं। मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष ने विद्यार्थियों को लाइब्रेरी की संरचना और डिजिटल संसाधनों के बारे में बताया, जिससे छात्रों को ऑनलाइन कानूनी डेटाबेस और आर्काइव तक पहुँचने की जानकारी मिली। छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट म्यूज़ियम का भी भ्रमण किया, जहाँ भारतीय न्यायपालिका के विकास को बेहद सुंदर और रोचक तरीके से प्रदर्शित किया गया है। यहाँ विद्यार्थियों ने सर्वोच्च न्यायालय के इतिहास, स्थापत्य विरासत और उन ऐतिहासिक फैसलों के बारे में जाना जिन्होंने भारत के कानूनी और सामाजिक ढांचे को दिशा दी है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय का यह भ्रमण स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज के विद्यार्थियों के लिए एक शिक्षाप्रद और प्रेरणादायक अनुभव रहा। इस यात्रा ने न केवल उनके विधिक ज्ञान को गहराई दी बल्कि उन्हें भविष्य में न्याय और ईमानदारी के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया।

संक्षिप्त डायरी

सौरभ भट्ट की अध्यक्षता में विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक आहूत

पीएचएम संवाददाता

गाजियाबाद । अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) / उप जिला निर्वाचन अधिकारी महोदय, गाजियाबाद की अध्यक्षता में दिनांक 30.10.2025 को विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें उप जिला निर्वाचन अधिकारी महोदय द्वारा समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के तहत वर्तमान के मतदाताओं के गणना प्रपत्र डाउनलोड करना सुनिश्चित करें तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार नियुक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बूथ लेवल अधिकारी, सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण प्रदान करें। उक्त के साथ ही निर्देशित किया गया कि राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेन्ट्स को भी विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण की गतिविधियों से अवगत करा दें, जिससे जन सामान्य में विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण की गतिविधियों के सम्बन्ध में जानकारी हो सके ।

नारी सशक्तिकरण का उदाहरण: पुलिस कमिश्नरेट मे फिर एक बार देखने को मिला: समाजसेवी अजय गुप्ता

पीएचएम संवाददाता

गाजियाबाद। आज गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में नारी सशक्तिकरण फिर देखने को मिला,दो अलग-अलग मुठभेड़ में,एसीपी प्रिया श्रीपाल,वेव सिटी,एवं एसीपी उपासना सिंह,थाना सिहानी गेट ने अलग-अलग मुठभेड़ में अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाते हुए,बदमाशों पर फायरिंग करके उन्हें घायल कर दिया,और फिर उन्हें गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया,पहली घटना क्रॉसिंग रिपब्लिक के पास घटी,जो ऑटो गैंग के अपराधियों से मुठभेड़ करके घायल कर दिया,दूसरी घटना मेरठ रोड तिराहे पर पर थाना सिहानी गेट एसीपी उपासना सिंह ने अपनी टीम के साथ बदमाशों से मुठभेड़ करके उनको घायल करके अस्पताल पहुंचाया,और निरंतर अपराधियों पर लगाम कसने के लिए पुलिस प्रशासन सतर्क,और मजबूत भी है,सभी व्यापारी एसीपी प्रिया श्रीपाल,एवं एसीपी उपासना सिंह का अभिनंदन करते हैं, जय-हिंद अजय गुप्ता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल एवं समाजसेवी।

बीएस—3 मानक के वाहनों का दिल्ली जाना प्रतिबन्धित, सीएनजी/ एलएनजी/ ईवी/ बीएस—4 डीजल वाहनों को अनुमति: मनोज कुमार मिश्रा

पीएचएम संवाददाता

गाजियाबाद। मनोज कुमार मिश्रा सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) गाजियाबाद ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, नई दिल्ली (सीएक्यूएम) के निर्देश के अनुसार दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाणिज्यिक वाहनों से होने वाले उच्च प्रदूषण उत्सर्जन के कारण होने वाले दुष्प्रभावों पर विचार करते हुए आयोग द्वारा दिनांक 01.11.2025 से दिल्ली में भारत स्टेज–4 (बीएस–4) वाहन, सीएनजी, एलएनजी, इलेक्ट्रिक (ईवी) वाहनों के अतिरिक्त अन्य श्रेणी के समस्त परिवहन / वाणिज्यिक माल वाहनों के प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया था। इस सम्बन्ध में ध्यान देने योग्य विषयक यह है कि माल वाहनों में भारत स्टेज-4 को दिल्ली आने-जाने में छूट प्रदान की गयी है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, नई दिल्ली द्वारा पूर्व में आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले/आवश्यक सेवायें प्रदान करने वाले ऐसे गैर भारत स्टेज-4 मानक के परिवहन / वाणिज्यिक माल वाहनों को दिनांक 31.10.2026 तक अवधि के लिये दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति दी जायेगी, जिसके बाद ऐसी वस्तुओं/सेवाओं को केवल सीएनजी/एलएनजी/ईवी/बीएस–4 डीजल वाहनों के माध्यम से पूरा किया जायेगा। इसी क्रम में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 17.10.2025 को पूर्व में जारी निर्देश संख्या-88 में संशोधन करते हुए दिनांक 01.11.2025 के पश्चात दिल्ली राज्य में भारत स्टेज–4 श्रेणी के वाणिज्यिक वाहनों को दिनांक 31.10.2026 तक ही संचालन की अनुमति प्रदान की गयी है। जनपद गाजियाबाद एवं नोएडा के दिल्ली बॉर्डर पर सख्त निगरानी करायी जायेगी। ऐसे वाहनों को रोकने के लिये दोनों जनपदों में परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा दिनांक 01.11.2025 से कार्यवाही प्रारम्भ की जायेगी।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर होगा पदयात्रा का आयोजन

पीएचएम संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी पत्र के निर्देशों के अनुपालन में श्री असीम अरुण जी (जिला प्रभारी, गाजियाबाद) राज्य मंत्री, समाज कल्याण मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार की अध्यक्षता में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के उपलक्ष में दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को होने वाली यूनिटी मार्च/पदयात्रा आयोजन के सम्बन्ध में वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें श्री असीम अरुण, माननीय राज्य मंत्री समाज कल्याण, उत्तर प्रदेश सरकार, श्री अजित पाल त्यागी, माननीय विधायक (मुरादनगर), श्रीमती मंजू सिवाच, माननीय विधायक (मोदीनगर), श्री नंदकिशोर गुर्जर, माननीय विधायक (लोनी), श्री संजीव शर्मा, माननीय विधायक (गाजियाबाद), श्री रवीन्द्र कुमार माँदड़ जिलाधिकारी, श्री अभिनव गोपाल, मुख्य विकास अधिकारी, पुलिस अपर आयुक्त, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला युवा कल्याण अधिकारी, उपनिदेशक, माय भारत, गाजियाबाद, श्री मयंक गोयल, महानगर अध्यक्ष बी.जे.पी, सचिन, संयोजक- बी.जे.पी, श्री नवनीत मित्तल, सह संयोजक बी. जे.पी, सिविल डिफेन्स, गाजियाबाद, अमर सिंह- नोडल अधिकारी, (एन.एस.एस), इत्यादि जिला मुख्य आयोजन समिति सदस्यों एवं जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

यात्रा के लिए मार्ग: मोहन नगर सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की प्रतिमा से आरम्भ होकर शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन गाजियाबाद पर सम्पन्न होगी।

धार्मिक आस्थाओं से जुड़े कैलाश मानसरोवर भवन का संचालन प्राधिकरण द्वारा

निजी एजेंसी के माध्यम से धर्मार्थ कार्य विभाग की गाइडलाइन के अनुसार कराया जायेगा: अतुल वत्स

संवाददाता

गाजियाबाद। देश की राजधानी दिल्ली सीमा से लगे गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के द्वारा विकसित इंदिरापुरम योजना में स्थित कैलाश मानसरोवर भवन का विधिवत तरीके से संचालन प्राधिकरण के द्वारा निजी एजेंसी के माध्यम से कराने की योजना है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अतुल वत्स ने बताया कि निर्धारित होने वाली एजेंसी के द्वारा संचालन हेतु आरएफपी धार्मिक विभाग की शर्तों के आधार पर तय की गई है अर्थात निजी एजेंसी के द्वारा संचालन की अवधि के दौरान परिसर में मांस- मदिरा आदि का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। निजी एजेंसी के द्वारा किए जाने वाले रख- रखाव व संचालन पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा दी गयी शर्तों के अनुरूप होगा। वर्तमान योजना के अनुसार कैलाश मानसरोवर भवन के रख रखाव व संचालन का कार्य 15 साल की अवधि के लिए निजी एजेंसी को दिया जाएगा तथा 15 साल की अवधि के दौरान उत्तम की शर्तों का पालन किए जाने की स्थिति में अगले 15 साल अवधि के लिए नवीनीकरण किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि जून से सितंबर माह के बीच अर्थात कैलाश मान सरोवर यात्रा के दौरान निर्धारित की जाने वाली एजेंसी के द्वारा किसी तरह के आयोजन की बुकिंग नहीं की जा सकेगी, शर्तों में स्पष्ट किया गया है। आरक्षित समय के अतिरिक्त परिसर में समय समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी क्षेत्र के लोगों के द्वारा आयोजन किया जा सकेगा। कैलाश मानसरोवर भवन परिसर में पार्किंग की बेहतर सुविधा है। किसी तरह के आयोजन के दौरान इसमें ठहरने की भी बेहतर व्यवस्था है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के गाजियाबाद आगमन के दौरान समीक्षा बैठक में कैलाश मानसरोवर भवन का संचालन गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के स्तर से किए जाने के निर्देश दिए गए थे। माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देश के क्रम में प्राधिकरण उपाध्यक्ष के सतत प्रयास से धार्मिक विभाग और प्राधिकरण के बीच एमओयू साइन किया गया। इसी के साथ धार्मिक विभाग के द्वारा कैलाश मानसरोवर भवन प्राधिकरण को हैंडओवर किया जा चुका है।

छठ पूजा पर हिंदू रक्षा दल की चेतावनी: घाटों पर न लगने दी जाए मुस्लिम धर्म के लोगों की दुकानें

गाजियाबाद। छठ पूजा से पहले हिंदू रक्षा दल ने एक बड़ा बयान जारी किया है। संगठन ने छठ घाटों के किनारे खरीदारी करने वाले श्रद्धालुओं से केवल हिंदू दुकानदारों से ही सामान खरीदने की अपील की है। हिंदू रक्षा दल ने यह भी कहा है कि छठ घाटों के आसपास मुस्लिम धर्म के लोगों की दुकान नहीं लगने दी जाएगी। संगठन ने प्रशासन से भी मुस्लिम दुकानदारों को घाटों के पास दुकानें न लगाने देने की मांग की है। संगठन का तर्क है कि यह कदम "थूक जिहाद" या "मूत्र जिहाद" जैसी घटनाओं की आशंका को खत्म करने के लिए उठाया गया है। उन्होंने दावा किया कि पहले भी ऐसे मामलों में कुछ तत्वों द्वारा धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया गया है, और छठ पर्व के दौरान ऐसे तत्व सक्रिय हो सकते हैं। हिंदू रक्षा दल के प्रदेश संयोजक गौरव सिसोदिया ने बताया कि छठ घाटों के आस-पास जो दुकानें लगेंगी, उन पर "हिंदू" लिखा बोर्ड या पोस्टर लगाया जाएगा। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को सही दुकानदारों की पहचान करने में मदद करना है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यह पहल छठ पर्व की पवित्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई है।

जीडीए ने इन्दिरापुरम क्षेत्र में की सीलिंग व ध्वस्तीकरण की कार्यवाही

संवाददाता

गाजियाबाद। उपाध्यक्ष के अवैध निर्माण/अवैध कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के निर्देशों के क्रम में आज दिनांक 25.10.2025 को प्रभारी प्रवर्तन जोन-06 के नेतृत्व में इन्दिरापुरम आवासीय योजना के अन्तर्गत निर्माणकर्ता श्रीमती रानू भदौरिया द्वारा भूखण्ड-संख्या-05, शक्तिखण्ड-2, निर्माणकर्ता श्री जी0सी0 सक्सैना द्वारा भूखण्ड संख्या-1075, नीतिखण्ड-1, एवं निर्माणकर्ता श्री सौरभ गुप्ता द्वारा भूखण्ड संख्या-340, शक्तिखण्ड-3 इन्दिरापुरम पर स्वीकृत मानचित्र से अतिरिक्त किये गये निर्माण को सील बन्द किया गया। इसके पश्चात निर्माणकर्ता श्री अनिल त्यागी द्वारा भूखण्ड संख्या-48, नीतिखण्ड-2 इन्दिरापुरम पर किये अनाधिकृत निर्माण पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान प्रभारी प्रवर्तन जोन-6 सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्तागण, प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन-06 का समस्त स्टाफ व जी0डी0ए0 पुलिस बल उपस्थित रहा।

कलम दवात की पूजा कर जितेन्द्र बच्चन ने की भगवान चित्रगुप्त से समाज कल्याण की कामना

गाजियाबाद। समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन ने भगवान चित्रगुप्त और कलम-दवात की पूजा के अवसर पर सुख-समृद्धि और ज्ञान-वृद्धि की कामना की। उन्होंने संसार के समस्त प्राणियों का लेखा-जोखा रखने वाले भगवान चित्रगुप्त से ज्ञान, न्याय और सफलता के लिए प्रार्थना की। साथ ही देश में सुख, शांति एवं समाज कल्याण की कामना की है। श्री बच्चन ने चित्रगुप्त पूजा के शुभ अवसर पर सभी को अनेक-अनेक शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पर्व सत्य, न्याय और कर्तव्य के प्रति समर्पण का प्रतीक है। भगवान चित्रगुप्त की आराधना हमें यह संदेश देती है कि हम अपने कर्मों में सदैव ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता बनाए रखें। वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन कायस्थ समाज द्वारा गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर में आयोजित कलम-दवात एवं श्री चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर कई समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। संस्था और संगठन के पदाधिकारियों ने उनका फूल-माला से स्वागत सम्मान किया। साथ ही कायस्थ समाज ने अपने आराध्य देव भगवान चित्रगुप्त की यम द्वितीया (कलम-दवात पूजन) का पर्व धूमधाम से मनाया। मान्यता है कि भगवान राम के अयोध्या वापस आने पर राज तिलक के समारोह में भगवान चित्रगुप्त को निमंत्रण नहीं पहुंचा था, जिससे नाराज होकर उन्होंने अपनी लेखनी कुछ समय के लिए बंद कर दी थी। तभी से यह पर्व मनाया जाता है।

निर्मला सीतारमण ने किया सीजीएसटी भवन का उद्घाटन: बोलीं: सरकार पारदर्शी व्यवस्था लागू कर रही

संवाददाता

गाज़ियाबाद। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने CGST भवन का उद्घाटन किया। इस मौके पर पुलिस, प्रशासनिक और केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर के अधिकारी भी मौजूद रहे। जहां शहर में सुरक्षा भी कड़ी रही। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शुक्रवार को गाज़ियाबाद पहुंचीं। इस दौरान उनका सीजीएसटी के अधिकारियों ने स्वागत किया। हापुड़ चुंगी के पास कमला नेहरू नगर स्थित केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (CGST) के नवनिर्मित भवन का विधिवत उद्घाटन किया। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह नया भवन कर प्रशासन को और अधिक सुगम, पारदर्शी और करदाताओं के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उद्घाटन के दौरान वित्त मंत्री ने भवन परिसर का निरीक्षण किया। साथ ही अधिकारियों से कर प्रणाली की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार ऐसी व्यवस्थाएं लागू कर रही है, जिससे करदाताओं को पारदर्शी और सहज सेवा मिल सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि नया उद्घाटन भवन न केवल कर संग्रह व्यवस्था को मजबूत करेगा बल्कि आम करदाताओं के लिए भी सुविधाजनक साबित होगा। गाजियाबाद में वित्त मंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड और डीएम रविंद्र मांदड़ भी मौजूद रहे। जहां सुरक्षा भी कड़ी रही। ट्रैफिक व्यवस्था को भी सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष योजना बनाई गई। इस मौके पर संजय मंगल मुख्य आयुक्त सीमा शुल्क एवं सीजीएसटी मेरठ जोन भी मौजूद रहे।

नगर आयुक्त ने नारियल फोड़कर की छठ पूजा की शुरूआत

संवाददाता

गाजियाबाद। नगर निगम द्वारा छठ पर्व की तैयारी पूरी कर ली गई हैं। आज पुर्वांचल जन कल्याण परिषद के सदस्यों द्वारा हिंडन छठ घाट पर मां गंगा के पूजन का आयोजन किया गया। जिसकी शुरुआत नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा पूजा में सम्मिलित होकर की गई।

मंत्र उच्चारण से पूजन विधि विधान से प्रारंभ हुआ जिसमें नगर आयुक्त द्वारा नारियल फोड़ कर पर्व की शुरूआत की। नगर आयुक्त ने कहा कि सभी घाटों पर गंगाजल की व्यवस्था के लिए टैंकर लगाए गए हैं। कार्यक्रम में स्वच्छता के साथ पर्व मनाने के लिए संकल्प लिया, मौके पर नगर आयुक्त द्वारा समस्त विभागीय अधिकारियों सहित चल रहे कार्यों की तैयारी को भी देखा गया तथा तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। गंगाजल आने के बाद घाट पर व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए भी कहा। नगर आयुक्त ने कहा कि पांडाल में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हिंडन छठ घाट पर 10 गंगाजल के टैंकर की व्यवस्था करने तथा अन्य समस्त छठ घाटों पर भी गंगाजल टैंकर की व्यवस्था करने के लिए महा प्रबंधक जल को निर्देशित किया गया। नगर आयुक्त ने विशेष रूप से स्वास्थ्य विभाग को छठ पर्व के दौरान तथा समापन के बाद भी सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए कहा। इस वर्ष पिछले वर्ष से अधिक व्यवस्था और अधिक बेहतर की गई है तथा छठ पर्व को महापर्व बनाने में गाजियाबाद नगर निगम टीम का विशेष योगदान मिल रहा है। मौजूद लोगों में रीता सिंह अध्यक्ष, विनोद अकेला, मनोज व साधु राम भी मौजूद रहे। नगर आयुक्त ने बताया कि आकर्षक लेजर शो तीसरी बार हिंडन घाट पर आयोजित किया जाएगा, लेजर शो के माध्यम से छठ पर्व की महत्वता को भी बताया जाएगा तथा संगीतमय प्रस्तुती रहेगी।

गाजियाबाद में छठ महापर्व की धूम

गाजियाबाद में आस्था और भक्ति का महापर्व छठ पूजा शनिवार से शुरू हो गया है। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व श्रद्धा, अनुशासन और सूर्य उपासना का प्रतीक माना जाता है। इसकी शुरूआत नहाय-खाय से होती है, जब व्रती महिलाएं स्नान कर सात्विक भोजन ग्रहण करती हैं और व्रत की शुरूआत करती हैं। दूसरे दिन खरनाह के बाद व्रती महिलाएं करीब 36 घंटे का निर्जला व्रत रखती हैं। तीसरे दिन शाम को वे डूबते सूर्य को अर्घ्य देती हैं, जबकि चौथे दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन करती हैं। इस दौरान सूर्यदेव और छठी मैया की विधिवत पूजा की जाती है। हिंडन नदी के घाटों पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। श्रद्धालु पहले से ही घाटों पर वेदियां सजा चुके हैं। वहीं, हिंडन नदी पानी कम होने की वजह से श्रद्धालुओं में नाराजगी देखी जा रही है है, ताकि व्रती महिलाएं जल में खड़ी होकर सूर्य उपासना कर सकें। शासन और प्रशासन ने भी छठ पर्व को लेकर पूरी तैयारी कर ली है। पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। नगर निगम ने घाटों की सफाई, रोशनी और पेयजल व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि गाजियाबाद में इस बार 70 से अधिक स्थायी और अस्थाई छठ घाट बनाए गए हैं। सभी घाटों

संक्षिप्त डायरी

त्योहारों को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने पर बधाई की पात्र है पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद : समाजसेवी अजय गुप्ता

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद

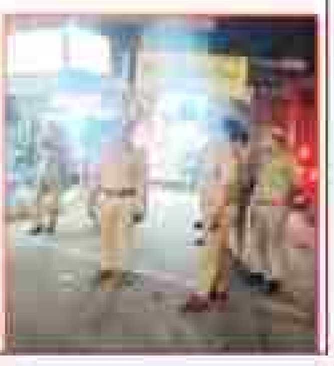

संवाददाता

गाजियाबाद। बीते हुए त्योहारों पर बाजारों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने,और शांतिपूर्वक दीपावली के पर्व को मनाने में गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के हर क्षेत्र के अधिकारी और उनकी टीम बधाई के पात्र हैं,चाहे वह फायर ब्रिगेड से संबंधित हो,या व्यापारियों की सुरक्षा एवं नागरिकों को परेशानी ना हो उसके लिए अलग-अलग बाजारों में गश्त लगाना,उनकी दिनचर्या थी,जाम की स्थिति से निपटने के लिए ट्रैफिक पुलिस के डीसीपी,एडीसीपी, और उनकी समस्त टीम दिन-रात अपना कर्तव्य निभाने में जुटी रही,सभी लोग बधाई के पात्र है,और गाजियाबाद के व्यापारी और नागरिक उनका अभिनंदन करते हैं,और अधिकारियों द्वारा दी गई गाइडलाइन पर चलना,प्रत्येक व्यक्ति का फर्ज है,और सभी लोगों के सहयोग करने से त्योहारों की रौनक बढ़ती है,और कोई अप्रिय घटना नहीं होती,सभी को दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

अजय गुप्ता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल,एवं समाजसेवी

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण लाया है 77 आवासीय भूखंडों की योजना: अतुल वत्स

संवाददाता

गाजियाबाद। एनसीआर में खुद का भूखंड खरीदते हुए आशियाना बनाने के इच्छुक लोगों के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण लाया है आवासीय भूखंडों की उत्तम योजना। प्राधिकरण के द्वारा नूर नगर के खसरा संख्या 96-97 की लगभग 17 हजार 872 वर्ग मीटर भूमि पर इस योजना को लाया है। प्राधिकरण उपाध्यक्ष श्री अतुल वत्स ने बताया कि योजना में 77 आवासीय भूखंड 60 वर्ग मीटर से 221 वर्ग मीटर साइज के नियोजित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विकास का न केवल खाका तैयार कर लिया गया है , बल्कि टेंडर की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। लगभग 305 लाख की लागत से सड़क, नाली, सीवर के कार्य अगले सप्ताह में शुरू कर दिया जाएगा। सड़क नाली आदि का कार्य पूरा होने के बाद लगभग एक करोड़ की लागत से विद्युतीकरण का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिस स्थान पर ये योजना लायी जा रही है, वहां पर एलिवेटेड रोड के साथ ही बेहतर कनेक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध है। चौड़ी सड़कों के साथ ही योजना में हरियाली के लिए पार्क एवं ग्रीन एरिया भी प्रस्तावित की गई है। योजना धरातल पर विकसित होने के बाद निश्चित तौर पर आवासीय भूखंड खरीदने के इच्छुक लोगों को पूरी तरह से सुनियोजित तरीके से विकसित की जाने वाली योजना में भूखंड उपलब्ध हो सकेंगे। इस योजना में खास बात यह भी है की इसमें छोटे भूखंड से लेकर बड़े भूखंड को शामिल किया गया है, जिससे हर वर्ग के लोग अपना आशियाना बनाने का सपना पूरा कर सकें।

फ्लैट में लगी आग से बच्ची की मौत:गाजियाबाद में दम घुटने से मां-बेटी बेहोश

गाजियाबाद। शुक्रवार देर रात एक फ्लैट में आग लगने से 6 साल की बच्ची की मौत हो गई। वह मां के साथ सो रही थी। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची। फ्लैट का दरवाजा तोड़कर दोनों को बाहर निकाला। पुलिस टीम मां-बेटी को लेकर दिल्ली के जीटीबी अस्पताल पहुंची। बच्ची की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसकी मां की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना टीला मोड़ थाने के तुलसी निकेतन फ्लैट की है। आग फ्रीज पर जल रही मोमबत्ती की वजह से लगी। घटना के वक्त महिला का पति घर से बाहर गया हुआ था। बुलंदशहर के रहने वाले मोहम्मद जाकिर, गाजियाबाद में ऑटो चलाते हैं। वह पत्नी सब्बो परवीन उर्फ पिंकी (32) और बेटी साइना परवीन (6) के साथ दो दिन पहले ही तुलसी निकेतन में फ्लैट नंबर 613 में शिफ्ट हुए थे। रोज की तरह शनिवार को भी रात में जाकिर ऑटो लेकर निकल गए। पत्नी और बेटी सो रहे थे। आधी रात के बाद करीब 2.30 बजे अचानक से उनके फ्लैट में आग की लपटें लोगों ने देखी।

पड़ोसियों ने वैशाली कंट्रोल रूम को जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड के लोग मौके पर पहुंचे। जाकिर के फ्लैट में आग लगी थी। अंदर काफी धुआं भरा हुआ था। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद रेस्क्यू टीम ने दरवाजा तोड़ा। अंदर देखा तो फ्रीज जल रहा था। मां-बेटी धुआं से दम घुटने से बेहोश पड़े थे। पुलिस ने तत्काल दोनों को दिल्ली के जीबीटी अस्पताल पहुंचवाया। यहां डॉक्टर्स ने इलाज शुरू किया, इस दौरान बच्ची की मौत हो गई। मां की हालत नाजुक बनी हुई है। उधर, अपने घर में हादसा होने की जानकारी होने पर जाकिर पहुंचे। उन्होंने बताया- रात में लाइट नहीं थी। रात करीब 9.30 बजे ऑटो लेकर निकल रहा था, पत्नी और बेटी सो रहे थे। मैंने एक मोमबत्ती जलाई और उसे फ्रीज पर रख दी। घर से निकलने के बाद बाहर से ताला लॉक कर दिया ताकि सुबह आने पर किसी को जगाना न पड़े। पुलिस ने कहा- मोमबत्ती पिघलने के बाद फ्रीज के पेंट में आग पकड़ ली। कुछ ही देर में कंप्रेसर तक आग पहुंच गई और फिर पूरा फ्रीज धू-धू कर जलने लगा। फायर ब्रिगेड की टीम ने फ्लैट में लगी आग पर पंपिंग की मदद से आग पर काबू पाया। बंद खिड़की- दरवाजों को खोला गया ताकि अंदर का धुआं निकल सके। अंदर कमरे में महिला और बच्ची फर्श पर बेहोश पड़ी थीं। उनके कपड़े जल चुके थे। चेहरा, हाथ और पैर झुलस गए थे। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल का कहना है कि फ्लैट बाहर से बंद था। आग के कारणों की जांच की जा रही है। दरवाजे व खिड़की तोड़कर पुलिस व फायरकर्मी अंदर पहुंचे। धुआं अधिक था। जब कमरे की तलाशी ली गई तो महिला और एक बच्ची अचेत हालत में मिली।

बिना पार्किंग के अस्पताल, अपार्टमेंट और व्यावसायिक प्रतिष्ठान नहीं चलेंगे, नियम तोड़ने पर होगी सख्त कार्रवाई: जीडीए उपाध्यक्ष

पीएचएम संवाददाता

गोरखपुर। शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और अवैध पार्किंग पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) के सभी सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्धन ने की। बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था, पार्किंग की समस्या और छठ पर्व के दौरान ट्रैफिक प्रबंधन की समीक्षा करते हुए उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को स्पष्ट और कड़े दिशा-निर्देश दिए। जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्धन ने कहा कि शहर की सड़कों पर ट्रैफिक जाम और अव्यवस्था का सबसे बड़ा कारण सड़कों के किनारे खड़ी गाड़ियां हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि रोड के किनारे बने मकानों के वाहन किसी भी हालत में सड़क पर खड़े नहीं किए जाएंगे। सभी मकान मालिक, अस्पताल, अपार्टमेंट और व्यावसायिक प्रतिष्ठान अपने वाहनों की पार्किंग निर्धारित स्थान पर ही करें। उन्होंने कहा कि अगर किसी व्यक्ति या संस्था ने नाले के ऊपर किसी प्रकार का अवैध निर्माण या कब्जा किया है तो उसे तत्काल हटवाया जाए। ऐसे अतिक्रमण शहर की सुंदरता और यातायात दोनों के लिए खतरा हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी अस्पताल या अपार्टमेंट में पार्किंग स्थल पर यदि मेडिकल स्टोर या अन्य व्यावसायिक गतिविधि संचालित हो रही है, तो उसे तुरंत बंद कराया जाए। उपाध्यक्ष ने एक सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा – डॉक्टरों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके पास आने वाले मरीजों के पास पार्किंग रसीद हो। यदि मरीज के पास पार्किंग रसीद नहीं है, तो डॉक्टर उसे देखने से इनकार करें।

उन्होंने कहा कि शहर में बिना पार्किंग की सुविधा के कोई भी अस्पताल, अपार्टमेंट या व्यावसायिक भवन संचालित नहीं हो सकेगा। यदि जांच के दौरान किसी अस्पताल या अपार्टमेंट में यह नियम उल्लंघन पाया गया तो उसे सील कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि शहर के प्रमुख स्थानों जैसे गोलघर, रेती, मोहद्दीपुर, बेतियाहाता आदि क्षेत्रों में सड़कों पर अवैध रूप से खड़े वाहनों, ठेला और खोमचा लगाने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। नगर निगम और पुलिस विभाग समन्वय स्थापित कर ऐसे सभी अतिक्रमणों को हटवाएं। जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्धन ने कहा कि आगामी छठ पर्व के दृष्टिगत शहर में बढ़ने वाले यातायात दबाव को देखते हुए विशेष प्रबंध किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिया कि छठ घाटों के आसपास पार्किंग स्थल सुव्यवस्थित रूप से बनाए जाएं ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि छठ व्रत के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा या अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए। सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि यातायात सुचारू रूप से संचालित रहे और किसी भी मार्ग पर अनावश्यक जाम की स्थिति न बने। बैठक में जीडीए उपाध्यक्ष ने यह भी कहा कि सभी विभाग अपने-अपने क्षेत्र में निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि पार्किंग मानकों का पालन हर स्तर पर हो। उन्होंने कहा कि विकास प्राधिकरण, नगर निगम और पुलिस विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्रवाई को प्रभावी बनाया जाए। बैठक में जीडीए सचिव पुष्पराज सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी हिमांशु वर्मा, एडीएम सिटी अंजनी कुमार सिंह, अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट उत्कर्ष श्रीवास्तव, एसपी ट्रैफिक राजकुमार पांडेय, सीओ कोतवाली ओमकार दत्त तिवारी, सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। जीडीए उपाध्यक्ष ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अगले एक सप्ताह के भीतर शहर के प्रमुख अस्पतालों, अपार्टमेंटों और व्यावसायिक भवनों का भौतिक सत्यापन किया जाए। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध जीडीए द्वारा कठोर कार्यवाही की जाएगी। अंत में उपाध्यक्ष आनंद वर्धन ने कहा कि गोरखपुर शहर को स्वच्छ, सुगम और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था वाला शहर बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

सिंदुरिया पुलिस ने मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत छात्राओं को किया जागरूक

पीएचएम संवाददाता

महराजगंज। सिंदुरिया थाने की पुलिस ने बुधवार को मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अपर प्राथमिक विद्यालय पिपरा बाजार में आयोजित हुआ, जिसमें बालिकाओं को सुरक्षा, सशक्तिकरण और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को बताया गया कि महिला हेल्पलाइन 181, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सखी-वन स्टॉप सेंटर, पॉक्सो एक्ट, और मिशन शक्ति से जुड़ी योजनाएं महिलाओं की सुरक्षा और सहायता के लिए चलाई जा रही हैं। छात्राओं को इन सेवाओं का उपयोग करने का तरीका भी समझाया गया ताकि वे आपात स्थिति में इनका लाभ उठा सकें। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि समाज में व्याप्त बाल विवाह, दहेज प्रथा और घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक कुरीतियों से लड़ने के लिए महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक रहना जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान सूचनात्मक पंपलेट्स भी वितरित किए गए, जिनमें विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और योजनाओं की जानकारी दी गई। पुलिस ने बालिकाओं को महिला हेल्पलाइन 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, महिला हेल्पलाइन 181, आपातकालीन सेवा 112, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930, चाइल्डलाइन 1098, एंबुलेंस सेवा 102 और 108, तथा फायर सेवा 101 जैसे महत्वपूर्ण नंबरों के बारे में विस्तार से बताया। इन नंबरों के उपयोग और उनके महत्व की जानकारी छात्राओं को दी गई ताकि किसी भी संकट की स्थिति में वे बिना झिझक सहायता ले सकें। थाना प्रभारी ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मिशन शक्ति का मुख्य उद्देश्य हर महिला को आत्मनिर्भर, सशक्त और सुरक्षित बनाना है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने कुपोषित बच्चों के घर पहुंचकर दिखाया स्नेह

पीएचएम संवाददाता

गोरखपुर। जनपद में कुपोषण मुक्ति की दिशा में चलाए जा रहे अनोखे नवाचार मिशन खिलखिलाहट के तहत आज जिलाधिकारी दीपक मीणा ने बाल विकास परियोजना खजनी के अंतर्गत भैंसा बाजार गांव में तीन कुपोषित बच्चों के घर जाकर उन्हें गोद लिया और पोषण पोटली प्रदान की। जिलाधिकारी ने बच्चों परी (पिता चंदन), प्रिया (पिता चंदन) और बेबी (पुत्री श्यामसुंदर) को गोद लेकर न केवल पोषण सामग्री दी, बल्कि उनके परिवारजनों से बातचीत कर बच्चों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण स्तर में सुधार के लिए जागरूक किया। उन्होंने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी खजनी डॉ. प्रदीप त्रिपाठी और बाल विकास परियोजना अधिकारी रचना पांडेय को निर्देश दिए कि ऐसे कुपोषित बच्चों की निरंतर निगरानी की जाए तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सीय और पोषणीय सहयोग प्रदान किया जाए। खंड विकास अधिकारी खजनी रमेश शुक्ला को भी जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि ऐसे परिवारों पर विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि बच्चे जल्द ही कुपोषण की श्रेणी से बाहर आ सकें। जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिनव मिश्रा ने बताया कि मिशन खिलखिलाहट जनपद का अभिनव अभियान है, जिसके तहत अधिकारी और कर्मचारी स्वैच्छिक रूप से कुपोषित बच्चों को गोद लेकर उन्हें स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर कर रहे हैं। इस मिशन के तहत बच्चों को फल, दूध, हरी सब्जियां, आयरन और विटामिन से भरपूर पोषण पोटली दी जाती है, साथ ही समय-समय पर उनके घर जाकर स्वास्थ्य व स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई जाती है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी खजनी राजेश सिंह, खंड विकास अधिकारी रमेश शुक्ला, बाल विकास परियोजना अधिकारी रचना पांडेय, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रदीप त्रिपाठी, यूनिसेफ के मंडल प्रभारी सुरेश कुमार, मुख्य सेविका हेमलता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरोज, कुसुम और संध्या सहित आशा कार्यकर्ता भी मौजूद रहीं।

10 नंबर बोरिंग के पास दीपावली के दिन सड़क हादसा, युवक की मौत

पीएचएम संवाददाता

गोरखपुर। जब पूरा देश दीपावली का पर्व मना रहा था और दीयों की रोशनी और झालर से पूरा शहर जगमगा रहा था उसी दीपावली के दिन 20 अक्टूबर की वह काली रात माया बाजार के रहने वाले 36 वर्षीय रामपाल के लिए काल बनकर आई। गोरखनाथ क्षेत्र के 10 नंबर बोरिंग के पास 20 अक्टूबर को रात करीब 11:30 बजे स्कूटी और बाइक के टक्कर में रामपाल पुत्र कैलाश पाल की सिर में चोट लगने के लिए से मौत हो गई जबकि स्कूटी पर सवार उसका साथी सौरभ यादव को गंभीर चोट लगी है वह अभी सदमे में है घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए मेरीगोल्ड हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया इलाज के दौरान डॉक्टर ने रामपाल को मृत घोषित कर दिया। रामपाल प्राइवेट जॉब करता था और उसकी तीन बेटियां हैं एक 8 साल की, दूसरी 4 साल की और तीसरी डेढ़ महीने की। रामपाल की मौत के बाद परिवार में मातम छाया हुआ है पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है वह बेसुध हो जा रही है। रो-रो कर कह रही है कि दीपावली की तैयारी में उनके साथ मैं खुद लगी हुई थी और घर को सजाया गया और रोशन किया शाम को दोस्त के साथ घर से निकले बोले की एक दोस्त की दुकान पर दीप उत्सव मना कर वापस आऊंगा लेकिन उनके घायल होने की सूचना मिली मेरी पूरी जिंदगी अब किसके सहारे कटेगी यही सोच कर रो रही। रामपाल अपने दोस्त की दुकान पर दीपावली के दिन दीप उत्सव मनाने गया था उसे क्या मालूम था कि वह उसकी जिंदगी का आखिरी दिन होगा। गोरखनाथ क्षेत्र के 10 नंबर बोरिंग के पास मार्ग दुर्घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। गोरखनाथ पुलिस में इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

अहाना एस. कुमरा की 'पुतुल' देहरादून पहुँची: सीएम पुष्कर सिंह धामी स्क्रीनिंग की शोभा बढ़ाएँगे

आयुष गुप्ता, पीएचएम

मुंबई। इस महीने की शुरुआत में जागरण फिल्म फेस्टिवल में तारीफें बटोरने के बाद, एक्ट्रेस अहाना एस. कुमरा की आने वाली फिल्म पुतुल 31 अक्टूबर को देहरादून में एक खास स्क्रीनिंग के लिए तैयार है। इस इवेंट में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल होंगे, जो टीम के लिए एक गर्व का पल है। राधे श्याम पीपलवा ने यह फिल्म डायरेक्ट की है। 'पुतुल' में अहाना के साथ पूरब कोहली और रजत कपूर भी हैं। यह फिल्म एक बच्चे की नजर से एक मुश्किल शादी की कहानी बताती है और दिखाती है कि इसका बच्चों के मन पर क्या असर होता है। मेघा का रोल निभाने वाली, अहाना जो एक वर्किंग मदर है और मुश्किल शादी से गुजर रही है, फिल्म की जर्नी और देहरादून में होने वाली स्क्रीनिंग को लेकर बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा, "जागरण फिल्म फेस्टिवल में हमारी स्क्रीनिंग हाउसफुल रही, जो कि बहुत ही खास अनुभव था, क्योंकि यह मेरी माँ का होमटाउन है।" उन्होंने आगे कहा, "अब, मैं देहरादून स्क्रीनिंग को लेकर भी उतनी ही एक्साइटेड हूँ, खासकर इसलिए क्योंकि हमने फिल्म की शूटिंग वहीं की थी। यह ऐसा है, जैसे लाइफ का सर्कल पूरा हो गया हो।" फिल्म के मैसेज के बारे में अहाना ने कहा, "पुतुल बच्चों की नजर से मुश्किल शादियों के बारे में बात करती है और दिखाती है कि वे कैसे प्रभावित होते हैं। यह रिश्तों और इमोशनल ग्रोथ पर बनी फिल्म है। मुझे खुशी है कि इसे ऐसे फेस्टिवल्स में जगह मिल रही है, जो अच्छी कहानियों को सेलिब्रेट करते हैं और सही ऑडियंस तक सिनेमा को पहुँचाते हैं।" एक्ट्रेस इस बात से खास तौर पर खुश हैं कि स्क्रीनिंग में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल होंगे। उन्होंने कहा, "बहुत अच्छा लगता है, जब अच्छी और हिम्मत वाली सिनेमा को बड़े फिल्म फेस्टिवल्स और अब पॉलिटिकल लोग भी पहचान और तारीफ दे रहे हैं। यह एक ऐसी कहानी के बारे में बात फैलाने में मदद करता है, जिसे सच में बताए जाने की जरूरत है।" शहर से अपने जुड़ाव को याद करते हुए अहाना ने कहा, "मैंने देहरादून में शूटिंग में लगभग एक महीना बिताया और यह जगह मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं बचपन से अपनी बहन के साथ यहाँ आती रही हूँ, हम हर साल ट्रिप पर आते हैं। इसलिए, फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए वापस आना घर लौटने जैसा महसूस होता है।"

प्रेमी युगल ने ट्रेन के आगे कूद कर दी जान, न्यूड हालत में मिली लड़की की डेड बॉडी

पीएचएम संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर के पिपराइच में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक प्रेमी युगल ने चलती ट्रेन के आगे कूद कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मौके पर पहुंची जीआरपी को लड़की की डेड बॉडी न्यूड हालत में मिली है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, वहीं घर वालों को सूचित कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच पर जुटी हुई है।

बता दें कि पिपराइच थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 11 का रहने वाला 21 वर्षीय विश्वकर्मा कुमार और इसी कस्बे की रहने वाली 18 वर्षीय एक युवती के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों पिछले कुछ वर्षों से एक दूसरे को जानते थे। बेंगलुरु में रहकर पेंट पॉलिश का काम करने वाला विश्वकर्मा दीपावली में अपने घर आया था। वहीं युवती कस्बे में ही स्थित एक कपड़े की दुकान पर काम करती थी। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार सोमवार की रात 9:30 बजे के आसपास दोनों पिपराइच रेलवे स्टेशन पर एक दूसरे से बातचीत करते देखे गए। इसी बीच अचानक ट्रेन आई और दोनों ने एक दूसरे का हाथ पकड़ा और ट्रेन के आगे कूद गए। जब तक कोई कुछ समझ पाता तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। ड्राइवर की सूचना पर मौके पर पहुंची जीआरपी ने शवों को कब्जे में लेकर स्थानीय थाना को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और मोबाइल के आधार पर परिजनों को सूचित कर दिया गया है। सूचना मिलते ही परिजनों के होश फाख्ता हो गए, दोनों परिवारों में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि दोनों एक दूसरे को पिछले 1 साल से जान रहे थे, लड़की की मां का कहना है कि 6 माह पहले रेलवे स्टेशन के पास स्थित मंदिर में दोनों को एक दूसरे से बात चीत करते देखा तो सरेआम पिटाई कर दी थी। जिससे क्षुब्ध होकर दोनों ने उस वक्त भी आत्महत्या करने की कोशिश की थी, लेकिन आसपास के लोगों द्वारा समझाने के बाद दोनों मान गए थे। बाद में आस पड़ोस के लोगों ने दोनों के परिजनों को सलाह दी थी कि उनका विवाह करा दिया जाए, लेकिन परिजन तैयार नहीं थे। वहीं लड़के की मां का कहना है कि मई 2026 में बेटे की शादी तय थी। बता दें कि पुलिस को लड़की की डेड बॉडी न्यूड हालत में मिली है, वहीं युवक के शरीर पर पीली शर्ट और जींस मौजूद थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना के बारे में पिपराइच थाना अध्यक्ष अतुल कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि दोनों की पहचान के बाद परिजनों को सूचित कर दिया गया था। दोनों ने आत्महत्या क्यों की इसकी अभी तक कोई जानकारी नहीं है। पूछताछ जारी है, जल्द ही सब कुछ पता चल जाएगा। फिलहाल शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सीताराम इंटर कालेज में रंगोली प्रतियोगिता सम्पन्न, छात्राओं ने दिखाई कला और रचनात्मकता की झलक

पीएचएम संवाददाता

महराजगंज। सीताराम इंटरमीडिएट कॉलेज सिन्दुरिया में दीपावली पर्व के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और कला के माध्यम से सामाजिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक संदेश प्रस्तुत किए। एस.आर. किड्स एकेडमी में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कक्षा 4 की छात्राओं सुहानी, सोनाली, दिव्यांजली, अमृता, दीक्षा, साक्षी, रागिनी और संगम ने बेहतरीन प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान कक्षा 5 की छात्राओं में साक्षी, प्रमिला, सोनम, खुशबू, आकांक्षा, प्रीति और आस्था ने हासिल किया। तृतीय स्थान कक्षा 3 की छात्राओं में काव्या, सिमरन, प्रिया, रेनू, काजल, सोनाक्षी, निशा, प्रतिज्ञा, शिवांगी और रुचि को मिला। इसी क्रम में कक्षा 12 विज्ञान वर्ग की छात्राओं ने नारी शक्ति थीम पर शानदार रंगोली बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम में ज्योति, स्वीटी, गरिमा, प्रिया, श्वेता, दिव्या, अर्पिता, कनक, नीलम और खुशी शामिल रहीं। दूसरा स्थान ग्लोबल वार्मिंग थीम पर रंगोली बनाने वाली कक्षा 9 की छात्राओं हर्षिता, किरन, सपना, साधना, नेहा, अंकिता, सृष्टि, संजना, आंचल और अंजना को मिला। तीसरा स्थान डेकोरेशन सिंदूरक, हनुमान-3D और इन्स्टिट्यूट थीम पर रंगोली प्रस्तुत करने वाली कक्षा 11 विज्ञान वर्ग की छात्राओं दिव्या मिश्रा, गुड़िया, सुरैना, नाजिया, सूफिया, अन्नपूर्णा, चांदनी और आकृति को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक / मिठौरा ब्लाक के प्रमुख प्रतिनिधि रामरक्ष गुप्त, कोषाध्यक्ष संजय गुप्त, प्रधानाचार्य प्रद्युम्न प्रसाद चौधरी, दिवाकर गुप्त, अशोक कुमार, दीपक पटेल, संदीप पटेल, रामदवन, सुशील चौधरी, वाजिद अली, रंजीत कुमार और विजय भास्कर समेत शिक्षक व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सांसद रविकिशन ने नौकायन चौकी का किया उद्घाटन, कहा बिहार में हमारी सरकार बनेगी, नीतीश आयेंगे वापस

पीएचएम संवाददाता

गोरखपुर। सांसद रविकिशन शुक्ला गोरखपुर के रामगढ़ताल क्षेत्र में नवनिर्मित चौकी का उद्घाटन किया। इस दौरान रविकिशन से पूछने पर कि अब क्राइम खत्म हो गया, चौकी की क्या जरूरत है तो उन्होंने कहा कि, मनुष्य जहां पर है वहां कुछ भी हो सकता है। वह मनुष्य अगर एजुकेशन के साथ नहीं है, विरोधी मानसिकता का है, सनातन धर्म विरोधी है, भारत विरोधी है, हम लोगों पर कोई भी दाग लगाने के लिए महाराज जी पर सरकार पर आरोप लगाने के लिए किसी भी जिले से कोई आकर यहां बदमाशी ना करें इसलिए सीसीटीवी से भी लैस है बंदूक से भी लैस है पुलिस उसका इंतजार करेगी आने वाले समय में कोई गलती ना हो। इस लिए खुला है उन्होंने कहा कि बिहार में हमारी सरकार बनेगी, नीतीश जी वापस आयेंगे। सांसद रविकिशन शुक्ला ने बिहार चुनाव को लेकर कहा कि, मां जानकी का आशीर्वाद उनके मंदिर का तैयारी है, वहां पर रोजगार के लिए हर बहन के खाते में 10,000 पड़ गया है। पैसे से हमारी बहनें आत्मनिर्भर बनेगी हमारी बहन बेटी रोजी रोजगार करें। और बिहार में 14 नवंबर को बहुत ही ऐतिहासिक जीत के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं। रविकिशन ने कहा बिहार में विकास होता आया है, जंगल राज का दमन किया गया 20 साल पहले वह दोबारा ना आए जनता ने प्रण कर लिया है मां जानकी के भक्तों ने

प्रण कर लिया, प्रभु राम का मंदिर यहां बना हुआ। रोजगार मां जानकी के मंदिर के साथ जंगल राज का दमन करते हुए उनको दोबारा उनको ना आने दें। 14 नवंबर को ऐतिहासिक जीत के साथ फिर यही विकास की रफ्तार को आगे बढ़ाएंगे। रविकिशन ने कहा कि जैसे नितीश बाबू के साथ रहा है वही रहेंगे और फिर नितीश बाबू लौटेंगे हम अब रिकॉर्ड कर रहे हैं। बिहार में खेसारी द्वारा दिए गए बयान पर रविकिशन ने कहा कि, हम तो सबके लिए अच्छी कामना करते हैं। जब भी कभी सनातन के विरोध में आवाज आएगी, कभी प्रभु राम के विरोध में आवाज आएगी कि मंदिर क्यों बना। ऐसी कोई भी आवाज आएगी तो चाहे वह कोई हो भाई हो या सगा भाई हो वह भी हमारे बाण से और शब्दों से नहीं बच पाएगा। मैं एक ब्राह्मण का लड़का हूं पूजा पाठ हमारी शक्ति रही बचपन से हमने देखा, कर्म की वजह से सब कुछ कार्य करना पड़ा। जब बचपन से देखा है आंख खोलते हुए घंटी मंदिर के और शंख के कानों में आए, पिता जी देखेंगे कब मंदिर बनी और हमारे पिताजी देखे बिना मंदिर चले गए ऊपर कितने पिता कितने साधु संत चले गए छाती पर गोली खाई उस मंदिर के लिए उसके लिए कोई भी बोलता है। रविकिशन ने खेसारी का नाम लिए बिना कहा कि, चुनाव लड़िए सबको अधिकार है कोई कहीं से लड़े हमको कोई चिंता नहीं, लेकिन सनातन को ना छेड़िए। विचारों से लड़िए विकास पर लड़िए, गोरखपुर इतना सुंदर बना सबकोई यहां आकर भोजपुरी का शूटिंग करता है। इसको कहते हैं विकास। 2019 से कितना सुंदर गोरखपुर आज नजीर पेश कर रहा है विकास पर बात करिए 2014 के पहले का भारत 2014 के बाद का भारत ये ऐतिहासिक है नया भारत पर गर्व होता है उत्तर प्रदेश में गर्व होता है विकास को देखकर आप लोग जीतिए आसमान तक जाइए हमको कोई दिक्कत नहीं।

मायावती ने मुस्लिमों को बताया बीजेपी को हराने का फॉमूर्ला

कहा: सपा को वोट दिया तो बीजेपी को फायदा होगा, जानिए क्या रणनीति बताई

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने 2027 के विधानसभा में जीत का फॉर्मूला समझाया। मुस्लिम भाईचारा कमेटी की बैठक में बताया कि कैसे 20% दलित और 19% मुस्लिम मिलकर विनिंग कॉम्बिनेशन बन सकते हैं? जबकि सपा का बेस यादव वोटबैंक तो 8% है। मुस्लिमों का पूरा समर्थन पाकर भी वे सिर्फ 27% की ही ताकत बन पाते हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम समाज का पूरा समर्थन पाकर भी सपा गठबंधन भाजपा को नहीं हरा पाई थी। इसकी तुलना में 2007 में मुस्लिमों का थोड़ा-सा ही समर्थन बटोर कर बसपा ने भाजपा-सपा दोनों पार्टियों को हराया था। सपा सिर्फ भाजपा का डर दिखाकर मुस्लिमों को वोट हासिल करना चाहती है। जबकि बसपा मुस्लिमों को सत्ता-संगठन में उचित भागीदारी देने के साथ अपने 4 साल के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों के आधार पर समर्थन चाहती है। मुस्लिम भाईचारा कमेटी की बैठक में मायावती ने क्या 5 बड़े संदेश दिए? मुस्लिमों का समर्थन पाने के लिए बसपा कौन-सी रणनीति पर आगे बढ़ेगी? मायावती ने पहली बार खुद मुस्लिम भाईचारा कमेटी की बैठक ली। बैठक में पहली दो लाइनों में मुस्लिमों को जगह दी गई, अन्य पदाधिकारी पीछे बैठे। मुस्लिम भाईचारा कमेटी का गठन 2017 के बाद फिर से किया गया। हर विधानसभा में 100-100 बड़े मुस्लिम चेहरों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य। हर महीने की 20 तारीख को होगी मुस्लिम भाईचारा कमेटी की समीक्षा। मुस्लिम भाईचारा कमेटी की बैठक में खुद मायावती मौजूद रहीं। बिहार चुनाव प्रचार में व्यस्त भतीजे आकाश आनंद को भी बुलाया था। बसपा के गठन के बाद ये पहली बार है, जब मायावती ने खुद मुस्लिम भाईचारा कमेटी की बैठक ली। इसके पहले 2017 तक पार्टी के दूसरे पदाधिकारी और प्रदेश अध्यक्ष ही इस तरह की बैठकें लेते थे। मुस्लिमों को बैठक व्यवस्था में पहली 2 लाइनों में जगह दी गई। अन्य पदाधिकारियों को इसके पीछे वाली लाइन में बैठाया गया। इससे मायावती ने संदेश देने में सफल रहीं कि बसपा में मुस्लिमों को पूरा सम्मान मिलेगा। 2017 के विधानसभा चुनाव तक मुस्लिम भाईचारा कमेटी सक्रिय रही। लेकिन, इसके बाद बसपा ने इसे भंग कर दिया था। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी इसका गठन नहीं किया गया। लेकिन, 9 अक्टूबर के कार्यक्रम की सफलता ने मायावती को एक बार फिर अपने आजमाए पुराने फॉर्मूले पर लौटने को मजबूर कर दिया है। प्रदेश के सभी 18 मंडलों में मुस्लिम भाईचारा कमेटी के दो-दो संयोजक बनाए गए हैं। एक संयोजक मुस्लिम, तो दूसरा दलित है। इसी तरह का संगठन विधानसभा स्तर पर भी गठित करना है। इसमें भी दो-दो संयोजक होंगे। आगे इसका विस्तार बूथ स्तर तक करना है। मेरठ मंडल प्रभारी आनंद सिंह चंद्रेश ने बताया कि हर विधानसभा में 100-100 बड़े मुस्लिम चेहरों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। इसके लिए मंडल संयोजक विधानसभा क्षेत्रों में मुस्लिमों के बीच छोटी-छोटी बैठक करेंगे। बसपा प्रमुख मायावती के 4 शासनकाल में मुस्लिमों के लिए किए गए 100 बड़े विकास कार्यों और निर्णयों की एक सूची भी दी गई। इसे मुस्लिम बस्तियों की बैठक में ले जाकर दिखाना है। साथ ही यह बताना है कि बसपा के शासन में ही सबसे अधिक उनके हित के कार्य हुए। मुस्लिमों को ये समझाना है कि सपा सिर्फ भाजपा का डर दिखाकर उनका वोट हासिल करती रही है। उनके विकास के लिए कोई काम नहीं किया, न ही सत्ता में कभी उचित भागीदारी दी। मुस्लिम भाईचारा कमेटी की ओर से जोड़े गए सदस्यों की प्रगति रिपोर्ट सीधे बसपा के प्रदेश कार्यालय के माध्यम से मायावती तक पहुंचेगी। वह खुद इस पर नजर रखेंगी। चुनाव आयोग की ओर से यूपी समेत देश के 12 राज्यों में लागू किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) पर भी बसपा प्रमुख मायावती ने इस बैठक में अपना रुख साफ किया। मायावती ने कहा कि बिहार में कांग्रेस, राजद सहित अन्य विपक्षी दलों ने इसका विरोध किया था। इसके बावजूद चुनाव आयोग ने वहां इसे लागू किया और इसी आधार पर चुनाव भी हो रहा। ऐसे में यूपी में दूसरे दल भले ही इसका विरोध करें, हमें इस चक्कर में नहीं पड़ना। बस बूथ स्तर पर बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) का गठन करना है। सभी पदाधिकारियों को चुनाव आयोग की ओर से जारी सबको एक संक्षिप्त पुस्तिका दी गई है। इसके आधार पर उन्हें बसपा कैडर वाले वोटरों को अधिक से अधिक जुड़वाना है। लखनऊ मंडल के मुस्लिम भाईचारा कमेटी के संयोजक एवं पूर्व प्रवक्ता फैजान खान ने बताया- बैठक में हमारी पार्टी की मुखिया का साफ निर्देश रहा कि हमें ग्राउंड स्तर पर काम करना है। इसके विरोध और खामियां निकालने में वक्त जाया नहीं करना है। फैजान खान कहते हैं- बहुजन समाज पार्टी स्थापना के समय से ही मुस्लिम समाज को अपना अंग मानती रही है। विपक्ष की पार्टियों ने मुस्लिमों को गुमराह करके बसपा से दूर किया। सपा ने हमेशा से भाजपा का डर दिखाकर वोट लिया। लेकिन, बसपा ने विकास के साथ ही संगठन और सरकार में उन्हें भागीदारी दी। बसपा के शासन में कभी दंगा नहीं हुआ। फैजान खान कहते हैं- सपा मुस्लिमों को भाजपा का डर क्यों दिखाती है?

किशनपुर पुलिस ने 'रनफॉर यूनिटी' से दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

पीएचएम संवाददाता

किशनपुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आज (31 अक्टूबर 2025) किशनपुर पुलिस द्वारा Run for Unity" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का परिचय दिया। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में थाना किशनपुर के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उत्साहपूर्वक शामिल हुए। लगभग 2.5 किलोमीटर लंबी दौड़ के माध्यम से पुलिसकर्मियों ने नागरिकों को एकजुट रहने और देश की एकता के महत्व का संदेश दिया। थाना प्रभारी सत्यदेव गौतम की अगुवाई में आयोजित इस दौड़ में पुलिसकर्मियों ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत का संकल्प दोहराया।

श्री अक्षय नवमी परिक्रमा प्रसाद वितरण दो दिवसीय महोत्सव का हुआ शुभारंभ

आयोजन में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, भक्तिमय हुआ परिक्रमा मार्ग

संवाददाता

मथुरा। नारायणदास धर्मशाला ट्रस्ट, मथुरा के तत्वावधान में आयोजित श्री अक्षय नवमी परिक्रमा प्रसाद वितरण दो दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया।मंगला आरती से हुआ शुभारंभ दो दिवसीय इस आयोजन की शुरूआत प्रातः 5 बजे मंगला आरती के साथ हुई। परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया, जिससे वातावरण में भक्ति और सेवा की भावना व्याप्त हो गई। श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था।इस अवसर पर नारायणदास ट्रस्ट गोपाल जी मंदिर के प्रबंधक दीपक सिंघल, अखिल भारत हिंदू महासभा के उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष संजय हरियाणा, श्याम शर्मा, वृषभान गोस्वामी, एडवोकेट दीपक शर्मा, डॉ. नीतू गोस्वामी, अनीता हरियाणा, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, अनिल बंसल, गोपाल दास अग्रवाल, रामबाबू राजपूत, विकास अग्रवाल , ऊषा सोलंकी एडवोकेट,दीप्ति त्रिपाठी, राधा शर्मा, ऊषा रानी अग्रवाल, शुचि अग्रवाल, रजनी चौधरी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।ब्रज संस्कृति और सेवा भाव का प्रतीक आयोजन मंदिर के प्रवक्ता श्याम शर्मा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य ब्रज संस्कृति, सनातन परंपरा और सेवा भाव को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि नारायणदास ट्रस्ट सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार भाग लेकर प्रसाद ग्रहण करने का अनुरोध करता है।राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत चक्रपाणि करेंगे आगमन ट्रस्ट के ट्रस्टी मनीष अग्रवाल ने जानकारी दी कि शुक्रवार को अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत चक्रपाणि आयोजन स्थल पर पधारेंगे और श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देंगे।

इण्टर कालेज जौरा बाजार की छात्रा ऋतिका श्रीवास्तव ने विज्ञान प्रदर्शनी में किया जिला स्तर पर प्रथम स्थान हासिल

संवाददाता

कुशीनगर । सांसद शशांक मणि त्रिपाठी द्वारा आयोजित मॉडल रॉकेट्री कैनसेट प्रक्षेपण प्रतियोगिता के दौरान हुई जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में इंटरमीडिएट कालेज जौरा बाजार की छात्रा ऋतिका श्रीवास्तव, पुत्री सुनील श्रीवास्तव (निवासी जौरा बाजार) ने अपने नवाचार इस्मार्ट टॉयलेटइ मॉडल के लिए पूरे जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य रामू चौधरी ने इस उपलब्धि पर कहा कि ऋतिका की सफलता विद्यालय और क्षेत्र दोनों के लिए गर्व का विषय है। उनका इस्मार्ट टॉयलेटइ मॉडल स्वच्छता और आधुनिक तकनीक का सुंदर संगम है जो अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगा। पुरस्कार जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार गुप्त एवं जिला समन्वयक माध्यमिक शिक्षा विष्णु प्रभाकर पांडेय द्वारा प्रदान किया गया। यह मॉडल विद्यालय के विज्ञान शिक्षक अंशुमान चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में तैयार किया गया था। ऋतिका की सफलता पर विद्यालय प्रबंधक पं. भोला प्रसाद त्रिपाठी, उपप्रधानाचार्य विजय प्रकाश उपाध्याय, विपिन बिहारी, प्रधान लिपिक सुकेश पांडेय, शिवेंद्र पांडे, सुनील दत्त तिवारी, अशोक तिवारी, सिम्पल उपाध्याय, सुमन द्विवेदी, अनुराधा सिंह, शिवप्रकाश, त्रिलोकी, ओम प्रकाश सहित समस्त शिक्षकों और छात्रों ने खुशी व्यक्त की। इसके अलावा क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों पूर्व प्रधानाचार्य दयाशंकर मिश्र, हरिशंकर उपाध्याय, प्रधानाचार्य अरविंद मिश्र, गोविंद लाल श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार मुरली उपाध्याय, जिला खाद्यान्न अधिकारी सुमंत यादव, ई. अजय उपाध्याय, जीएसटी अधिकारी आशुतोष पांडेय, मनोज मिश्रा, कन्हैया लाल सरस, बनारसी दास खरवार, कुलदीप उपाध्याय, विकास चतुर्वेदी, नारद उपाध्याय, नृपेश उपाध्याय, आमोद उपाध्याय, रमेश यादव, राजन मिश्रा, हिमांशु शेखर श्रीवास्तव, आनंद मिश्रा आदि ने छात्रा को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सरदार@150 कार्यक्रम के तहत क्विज प्रतियोगिता में 125 छात्रों ने लिया भाग

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। सरदार@150 कार्यक्रम के तहत गुरुवार को को राष्ट्रीय सेवा योजना बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर द्वारा महाविद्यालय के छात्र छात्राओं के मध्य क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 125 छात्र छात्राओं ने भाग लिया।प्रतियोगिता में सरदार पटेल, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित प्रश्न प्रतिभागियों से पूछे गए। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को कल 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार पटेल जी की जयंती पर पुरस्कृत भी किया जाएगा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ निगम मौर्य ने बताया कि सरदार@150 कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर द्वारा कल 31 अक्टूबर को महाविद्यालय के3 मुख्य द्वार से महापरिनिर्वाण मंदिर तक पदयात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ पारस नाथ, स्वयंसेवक आदर्श मिश्र समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

द प्रेस ट्रस्ट ऑफ बुंदेलखंड में लोकतांत्रिक चुनाव सम्पन्न, अनवर रजा रानू बने अध्यक्ष

पीएचएम संवाददाता

बांदा। बुंदेलखंड में पहली बार पत्रकारों के संगठन द प्रेस ट्रस्ट ऑफ बुंदेलखंड (पीटीबी) ने लोकतांत्रिक तरीके से बैलेट पेपर द्वारा चुनाव संपन्न कर नया इतिहास रच दिया।दिन रविवार 28 अक्टूबर को बांदा के सिटी गार्डन मैरिज हाउस में पत्रकारों का यह ऐतिहासिक मतदान हुआ,जिसमें कुल 186 मतदाताओं ने हिस्सा लिया।अध्यक्ष पद पर हुई कड़ी टक्कर में अनवर रजा रानू ने 101 मत पाकर विजयश्री हासिल की, जबकि उनके प्रतिद्वंदी दीपक पांडेय को 81 मत मिले।चार मतपत्र अवैध घोषित हुए। मुख्य कार्यकारिणी अध्यक्ष पद पर खबर लहरिया की प्रधान संपादक कविता बुंदेलखंडी निर्विरोध निर्वाचित हुईं।प्रबंधक/सचिव पद पर इकबाल खान, अवैतनिक सचिव अभिषेक शुक्ला,कनिष्ठ उपाध्यक्ष नौशान खान (बांदा) और कोषाध्यक्ष नौशान अख्तर (इटावा) चुने गए।वहीं दीपक पांडेय को संगठन के न्यास मंडल की सहमति से मुख्य कार्यकारिणी में सदस्य के रूप में शामिल किया गया।जिला कार्यकारिणी (उप समिति) में अध्यक्ष अनवर रजा रानू,वरिष्ठ उपाध्यक्ष त्रियुगी नारायण,कनिष्ठ उपाध्यक्ष अरबाज खान,प्रबंधक/सचिव राजेश पांडेय,अवैतनिक सचिव भगत सिंह और कोषाध्यक्ष कुलसुम खातून निर्वाचित हुए। सदस्य पद पर राजेंद्र मिश्रा,राजू त्रिपाठी राज, मोहम्मद अनस, रोहित द्विवेदी,अरविंद गौतम, पंकज त्रिपाठी और प्रदीप शुक्ला निर्विरोध चुने गए।पीटीबी के फाउंडर और वरिष्ठ पत्रकार आशीष सागर दीक्षित ने बताया कि यह पहली बार है जब पत्रकारों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया से अपना संगठन चुना है।उन्होंने कहा कि यह पहल भविष्य की पत्रकारिता के लिए मील का पत्थर साबित होगी।आगामी माह में सभी निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा।संगठन ने बताया कि बांदा से शुरू हुई यह पहल बुंदेलखंड के अन्य जिलों में भी विस्तार पाएगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पत्रकार शिवम सिंह सहित टीम के सभी सदस्यों को न्यास मंडल ने विशेष धन्यवाद दिया।

संक्षिप्त डायरी

आम आदमी पार्टी यूथ विंग के जिलाध्यक्ष बने शुभम मिश्रा

संवाददाता

सोनभद्र। आम आदमी पार्टी युवा विंग प्रदेश महासचिव अंकित परिहार की अनुशंसा पर सोनभद्र जिले के युथ विंग जिलाध्यक्ष की घोषणा किया गया एवं शुभम मिश्रा के संघर्ष से प्रभावित होकर युवा साथी प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश चौरसिया, प्रदेश सचिव राकेश भारतीय, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष एड० संतोष त्यागी द्वारा मनोनीत किया गया व प्रदेश अध्यक्ष (युथ विंग) पंकज अवाना के नेतृत्व में नवीन कार्यकारिणी ने नई जिम्मेदारियों पर खरा उतरने की सहमति जताई है। शुभम मिश्रा जिलाध्यक्ष बनने से पहले पार्टी में जिला उपाध्यक्ष पद पर एवं विधानसभा सचिव भी रहे चुके हैं।इनके कार्यकाल में पार्टी में अच्छा प्रदर्शन करते हुए सोनभद्र में अहम भूमिका निभाया है।इन्होंने अभी भी पार्टी की जो भी गतिविधियां होती हैं चाहे वह राष्ट्रीय स्तर की हों या प्रदेश स्तर की या फिर जिला स्तर पर शुभम मिश्रा उसको काफी अच्छे से संभालते हैं। स्थानीय विस्थापितों का मुद्दा हो या भ्रष्टाचार का, युवा बेरोजगारी का मसला और सामाजिक न्याय हो अन्य जनहित का कोई मुद्दा, ये हमेशा मुखर रहे हैं। इन्हीं सबको लेकर पार्टी के आलाकमान ने इन पर अपना भरोसा जताया है।

आयुष्यमान कार्डधारक से इलाज के नाम पर धन उगाही करने वाला फार्मेसिस्ट जांच में निकला गुनाहगार

संवाददाता

हमीरपुर। मुस्करा के गहरौली प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात फार्मेसिस्ट सुमित कुमार का आयुष्मान कार्डधारक से पिछले दिनों अवैध वसूली किये जाने का सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के खिलाफ डीएम घनश्याम मीणा ने संज्ञान लेते हुये सीएमओ को जांच कर कार्यवाही के आदेश दिये थे, सीएमओ ने बताया कि मामले की जांच करने गई टीम ने 29 अक्टूबर की दोपहर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गहरौली पहुँच कर जांच की गयी, जांच में सुमित कुमार, फार्मासिस्ट स्वास्थ्य केन्द्र गहरौली का सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में पैसे के लेनदेन सही पाया गया। जिसके बाद जांच टीम ने सुमित कुमार को गुनाहगार मानते हुये विभागीय कार्यवाही के साथ ही यहाँ से हटाकर कहीं दूसरी जगह भेजे जाने की संस्तुति की गयी है।

मोरम का ओवर लोड और अवैध परिवहन कर रहे 23 ट्रकों के खिलाफ की गई बड़ी कार्यवाही

संवाददाता

हमीरपुर। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा की सख्ती के बाद मोरम के ओवर लोड और अवैध परिवहन करने वाले 23 ट्रकों के खिलाफ परिवहन और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने कार्यवाही करते हुये पांच ट्रकों को जरिया थाने में, जबकि तीन ट्रकों को कुछेछा चौकी में, वहीं एक ट्रक को ललपुरा थाने सहित तीन ट्रकों को बिवांर थाना पुलिस के हवाले किया गया। बताया गया है कि पकड़े गये मोरम के ओवर लोड और अवैध परिवहन कर रहे ट्रकों से करीब ग्यारह लाख 50 हजार रुपये का राजस्व हासिल होगा। वहीं कुछेछा चौकी क्षेत्र के ग्राम बरदहा में गांव के ही कुछ दबंग लम्बे अर्से से नावों के जरिये मोरम का डम्प कराकर यहाँ से कर रहे थे अवैध खनन, जबकि ट्रैक्टरों से कर रहे थे, जमकर अवैध परिवहन। जिसके बाद टीम ने दो ट्रैक्टर ट्राली रंगे हाथों पकड़ लिये, जिन्हें सदर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द किया गया है। वहीं बरदहा में मोरम का अवैध खनन करने वाले युवक के साथ ही ट्रैक्टर मालिक और ट्रैक्टर ड्राइवर के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कराया गया है। वहीं संयुक्त जांच टीम की बड़ी कार्यवाही से मोरम की ओवर लोडिंग और अवैध परिवहन कर रहे ट्रक आपरेटरों में मचा हड़कंप।

प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर श्रम विभाग ने किया 10 किशोर श्रमिकों का चिन्हांकन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। श्रम विभाग व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा पडरौना से कसया तक विभिन्न होटलों, ढाबों, मोबाइल आटो वर्कशाप आदि का 09 प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण किया गया और 10 किशोर श्रमिकों का चिन्हांकन किया गया। गुरुवार को श्रम प्रवर्तन अधिकारी कुशीनगर सुश्री अलंकृता उपाध्याय के नेतृत्व में बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध व विनियमन) अधि० 1986 यथा संशोधित 2016 के अन्तर्गत कार्रवाई की गई तथा होटलों, ढाबों, मोबाइल आटो वर्कशाप आदि प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया और 10 किशोर श्रमिकों काम करते हुए पाए जाने पर कार्य लेने वाले सेवायोजकों/प्रतिष्ठान स्वामी को बाल श्रम के बारे में जानकारी दी गई कि बाल श्रम कराना अपराध है एवं शिक्षा व सुरक्षित बचपन प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। बाल श्रम कराते पकड़े जाने पर 06 माह से 02 वर्ष तक की कैद एवं 20 हजार से 50 हजार तक जुर्माने का प्रावधान है। इस अभियान में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग पुलिस कुशीनगर प्रभारी निरीक्षक रामचन्द्र राम, सुश्री अनुराधा सिंह, श्री जोस शेखर मिश्र सम्मिलित रहे।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी20 में भारतीय टीम को चार विकेट से हराया

मेलबर्न (एजेंसी)। मिशेल मार्श की 46 रन की पारी की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय क्रिकेट टीम को दूसरे टी20 में चार विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम 125 रनों पर ही आउट हो गयी इसके बाद जीत के लिए मिले 126 रनों के लक्ष्य को मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 13.2 ओवर में ही 6 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को कप्तान मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़े। इस जोड़ी को वरुण चक्रवर्ती ने हेड को आउट कर तोड़ा। हेड ने 15 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 28 रन की पारी खेली। वहीं, मार्श अर्धशतक 26 गेंद में दो चौके और चार छक्कों की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए। जोश इंग्लिस ने 20 रन बनाए। वहीं, टिम डेविड एक रन बना सके। स्टोइनिस ने नाबाद छह रन की पारी खेल ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती तीनों ने ही दो-दो विकेट लिए।

वहीं इससे पहले भारतीय टीम की बल्लेबाजी विफल रही और केवल अभिषेक शर्मा 68 रन और हर्षित राणा 35 ही कंगारू गेंदबाजों का सामना कर पाये बाकि खिलाड़ी दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। अभिषेक ने 37 गेंदों में 7 चौके और 2 छक्के लगाये जबकि राणा ने 33 गेंदों पर 3 चौके और एक छक्का लगाया। भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और शुभमन गिल 5 रन बनाकर ही आउट हो गये। इसके बाद अभिषेक ने 23 गेंदों पर अर्धशतक लगाकर पारी को संभाला और सबसे अधिक 68 रन बनाये। अभिषेक के अलावा हर्षित राणा ने 35 रन बनाये। वहीं बाकि बल्लेबाज असफल रहे। 23 रनों पर भारत को संजू सैमसन 2 रन के रूप में दूसरा, और 32 के स्कोर पर कप्तान सूर्यकुमार यादव 1 रन और तिलक वर्मा 0 के रूप में तीसरा और चौथा झटका लगा। अक्षर पटेल 7 रन आउट होने वाले पांचवे खिलाड़ी रहे।

105 के स्कोर पर हर्षित राणा के रूप में छठा और 109 के स्कोर पर शिवम दुबे 4 रन के रूप में सातवां विकेट गिरा! कुलदीप के रूप में आठवां झटका लगा है, वह खाता भी नहीं खोल पाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से 3 विकेट जोश हेजलवुड ने लिए, और 2-2 विकेट जेवियर बार्टलेट और नैथन एलिस ने लिए।

हार से निराश ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हीली लेंगी संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने भारतीय टीम के खिलाफ महिला विश्वकप सेमीफाइनल में मिली हार पर निराशा जताते हुए संन्यास के संकेत दिये हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम को सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने पांच विकेट से हराया था। हीली ने कहा कि यह उनका इस प्रारूप का अंतिम मैच हो सकता है।

भारतीय टीम ने इस मैच में 339 रनों का कठिन लक्ष्य हासिल किया था। हीली ने मैच के बाद कहा, इस पूरे टूर्नामेंट में सभी ने अच्छी तरह योगदान दिया। यही वजह है कि हारने वाली कप्तान बनकर खड़े रहना निराशाजनक लग रहा है। हमने कई अवसर बनाए। हमने दबाव बनाया। मगर हम मैच अपने नाम नहीं कर पाये।

भारतीय टीम की जीत में जेमिमा रोड्रिग्स 127 और हरमनप्रीत कौर 89 रनों की अहम भूमिका रही। हीली ने जेमिमा का कैच तब गिरा दिया था जब वह 82 रन पर थी। यह कैच ऑस्ट्रेलिया की हार का कारण बना।

इस खिलाड़ी ने कहा कि उनकी विश्वकप खेलने की उनकी कोई योजना नहीं है। साथ ही कहा कि अब उनका लक्ष्य अगले साल होने वाला टी20 विश्वकप है।

हीली ने अब तक 123 एकदिवसीय मैच में सात शतक और 18 अर्धशतकों की सहायता से 3563 रन बनाए। उनकी औसत 35.98 और स्ट्राइक रेट 100 के करीब था।

महिला विश्वकप क्रिकेट : भारतीय टीम रविवार को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी

-विश्व क्रिकेट को मिलेगी नई चैम्पियन टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में मिली बड़ी जीत के साथ ही विश्वकप फाइनल में जगह बनायी है। अब खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम रविवार दो नवंबर को दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला करेगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 339 रनों का सबसे बड़ा लक्ष्य विश्वकप में हासिल कर एक नया रिकार्ड भी बनाया है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने साल 2005 और 2017 के बाद तीसरी बार फाइनल में जगह बनायी है।

सेमीफाइनल में जेमिमा रोड्रिग्स की नाबाद 127 रन और कप्तान हरमनप्रीत कौर की 89 रन की पारी के बल पर भारतीय टीम फाइनल में पहुंची है। यहां भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबले में जो भी टीम जीतेगी रिकार्ड बनेगा ही। भारतीय टीम दो बार उप विजेता रही है जबकि दक्षिण अफ्रीका पहली बार फाइनल में पहुंची है।

महिला विश्व कप फाइनल 2 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने इसी मैदान पर सेमीफाइनल जीता है जिससे उसकी यहां जीत की संभावनाएं कई गुना बढ़ गयी है। टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह पूरे उत्साह से उतरेगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम ने लीग स्तर पर भारतीय टीम को हराया था जिससे वह प्रेरित रहेगी।

इस प्रकार महिला एकदिवसीय विश्व कप में 25 साल बाद विश्व क्रिकेट को नया विश्व चैंपियन मिलेगा। इससे पहले साल 2000 में ऐसा हुआ था, जब न्यूजीलैंड ने फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब जीता था। इसके अलावा हमेशा ही ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमों ने खिताब जीते थे। इस बार विश्व कप फाइनल के साथ ही विश्व क्रिकेट को चौथी चैंपियन टीम मिलेगी।

भारतीय टीम के ग्रुप स्तर तक का सफर मिलाजुला रहा है उसने 7 मैच खेले जिसमें से उसे 3 में हार मिली जबकि एक मुकाबले में उसे अंक बांटने पड़े। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने भी शुरुआती हार से उबरकर फाइनल में जगह बनायी है। उसने ग्रुप स्टेज पर 7 में से 5 मैच जीते जबकि दो में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

खत्म हो सकता है इंतजार, एक-दो दिन में भारत पहुंच सकती है एशिया कप ट्रॉफी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) को उम्मीद है कि एशिया कप विजेता ट्रॉफी 'एक या दो दिन में' मुंबई स्थित उसके मुख्यालय पहुंच जाएगी लेकिन अगर हालात में कोई प्रगति नहीं होती है तो भारतीय बोर्ड चार नवंबर को इस मामले को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के समक्ष उठाएगा।

भारत ने दुबई में हुए फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर एशिया कप जीता लेकिन पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। वह एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष भी हैं। यह तब हुआ जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दोनों देशों के बीच विवाद के कारण अपने पाकिस्तानी समकक्ष से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया।

नकवी पहले ही कह चुके हैं कि ट्रॉफी भारत को सौंपी जा सकती है लेकिन इसे वह स्वयं प्रदान करेंगे। एशिया कप जीत के एक महीने से ज्यादा समय बाद भी BCCI अब भी आधिकारिक तौर पर ट्रॉफी सौंपे जाने का इंतजार कर रहा है। BCCI के संयुक्त सचिव देवजीत सैकिया ने विशेष बातचीत में कहा, 'जिस तरह से एक महीने बाद भी हमें ट्रॉफी नहीं दी गई है, उससे हम थोड़े नाखुश हैं। हम इस मामले को आगे बढ़ा रहे हैं। लगभग 10 दिन पहले भी हमने ACC के अध्यक्ष को एक पत्र लिखा था लेकिन उनके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।'

उन्होंने कहा, 'अब भी ट्रॉफी उनके पास है, लेकिन हमें उम्मीद है कि एक-दो दिन में यह ट्रॉफी मुंबई स्थित BCCI कार्यालय में हमारे पास पहुंच जाएगी।' सैकिया ने कहा कि अगर ट्रॉफी जल्द ही नहीं सौंपी गई तो बीसीसीआई चार नवंबर से दुबई में होने वाली ICC की तिमाही बैठक में इस मुद्दे को उठाएगा। BCCI ने आधिकारिक तौर पर ट्रॉफी वापस करने का अनुरोध किया है लेकिन नकवी कथित तौर पर अपने रुख पर अड़े हुए हैं और सुझाव दे रहे हैं कि भारतीय खिलाड़ी भविष्य में किसी कार्यक्रम में इसे व्यक्तिगत रूप से ले लें क्योंकि अभी तक कोई औपचारिक समापन नहीं हुआ है।

सैकिया ने कहा, 'BCCI की ओर से हम इस मामले से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और मैं भारत के लोगों को आश्वस्त कर सकता हूं कि ट्रॉफी भारत वापस आएगी, बस समय सीमा तय नहीं है। पर एक दिन यह आएगी।' टेस्ट क्रिकेट में पहली बार भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अगले महीने गुवाहाटी में होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दूसरे मैच में पारंपरिक सत्रों के क्रम में बदलाव देखने को मिल सकता है जिसमें लंच से पहले चाय परोसी जा सकती है। सैकिया ने पुष्टि की कि गुवाहाटी में सूर्योदय और सूर्यास्त जल्दी होने के कारण खेल के समय में संभावित बदलाव के बारे में चर्चा चल रही है।

श्रेयस बोले, हर दिन बेहतर हो रहा, समर्थन के लिए प्रशंसकों का आभार जताया

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह अब पहले से ठीक है और अच्छा महसूस कर रहे हैं। श्रेयस को उम्मीद है कि वह शीघ्र ही इस चोट से उबर जाएंगे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान एलेक्स कैरी का एक कैच पकड़ते समय पसली में चोट लगने के बाद हुए रक्तस्राव के कारण गंभीर रूप से घायल हो गये थे और आईसीयू में भर्ती थे। उन्होंने इसी चोट को लेकर कहा, "मैं उबर रहा हूं और प्रतिदिन पहले से बेहतर हो रहा हूं।

श्रेयस ने कहा "लोगों की शुभकामनाओं और मिले समर्थन से मैं उत्साहित हूं। मुझे याद रखने के लिये धन्यवाद। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, "उनकी हालत अब स्थिर है और वह अब भी निगरानी में है। दोबारा हुई स्कैन जांच में काफी सुधार दिखा और श्रेयस ठीक हो रहा है। बीसीसीआई ने साथ ही कहा कि मेडिकल टीम उनकी सेहत पर नजर रखे हुए है। श्रेयस मैच के दौरान फिजियो की सहायता से मैदान से बाहर चले गए थे पर ड्रेसिंग रूम में वह बेहोश हो गये थे, जिसके कारण उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बाद में किए गए परीक्षणों से पता चला कि तिल्ली में चोट लगने के कारण आंतरिक रक्तस्राव हुआ था, जिसके बाद उन्हें गहन निगरानी के लिए आईसीयू में भर्ती कराया गया था।

2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं शार्दुल

मुम्बई। पिछले काफी समय से टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर भी साल 2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं। शार्दुल के अनुसार वह तेज गेंदबाजी के साथ-साथ नंबर-8 पर बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। इसलिए उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिये। इस ऑलराउंडर ने अक्टूबर 2023 के बाद से ही सीमित ओवरों का कोई मैच नहीं खेला है। जिससे उनकी दावेदारी कमजोर मानी जा रही है। रणजी ट्रॉफी खेल रहे शार्दुल ने कहा, मेरे लिए टीम में वापसी के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहना बहुत जरूरी है। टी20 विश्वकप दक्षिण अफ्रीका में होने वाला है, इसलिए वहां नंबर आठ पर गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर मैं जगह हासिल करना चाहता हूं। शार्दुल की राह हालांकि आसान नहीं है क्योंकि अभी टीम के पास पहले से ही दो ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा है। हर्षित को नंबर-8 पर बल्लेबाजी के लिए उतारा गया था जिससे साफ है कि कि उन्हें इस क्रम पर आजमाया जा रहा है। वहीं नितीश भी एक अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। वहीं शार्दुल ने कहा कि वह हमेशा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी उन्हें अवसर मिलेगा वह खेलने के लिए तैयार हैं। साथ ही कहा कि मेरे हाथ में केवल प्रदर्शन करना है। बाकि काम चयनकर्ताओं का है। शार्दुल अंतिम बार एकदिवसीय मैच साल 2023 विश्व कप में खेला था। इसके बाद से ही उन्हें अवसर नहीं मिले हैं।

भारतीय हॉकी टीम को लगा बड़ा झटका, पूर्व दिग्गज खिलाड़ी और गोलकीपर मनुएल फ्रेडरिक का हुआ निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी जगत से एक दुखद खबर सामने आई है। भारत को 1972 म्यूनिख ओलंपिक में Bronze Medal दिलाने वाले महान खिलाड़ी और गोलकीपर मनुएल फ्रेडरिक का शुक्रवार को 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह पिछले 10 महीनों से प्रोस्टेट कैंसर से जूझ रहे थे। उनके निधन से पूरे भारतीय हॉकी समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है।

केरल के पहले ओलंपिक पदक विजेता थे खिलाड़ी

मनुएल फ्रेडरिक का जन्म 20 अक्टूबर 1947 को केरल के कन्नूर जिले के बर्नासेरी में हुआ था। वह केरल राज्य से भारत के लिए ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। उनके बाद गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने टोक्यो 2020 और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर इस विरासत को आगे बढ़ाया।

फ्रेडरिक को भारतीय खेल में उनके शानदार योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उन्हें 2019 में युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठित 'ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया था।

हॉकी इंडिया ने व्यक्त किया गहरा शोक

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने फ्रेडरिक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मनुएल फ्रेडरिक भारत के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरों में से एक थे। भारतीय हॉकी के सुनहरे दौर में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनके प्रदर्शन ने कई युवाओं को देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित किया। हॉकी इंडिया उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है। हमने एक महान खिलाड़ी खो दिया है, लेकिन उनकी विरासत हमेशा जीवित रहेगी।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी श्रद्धांजलि दी और कहा कि फ्रेडरिक का समर्पण खासकर केरल जैसे गैर-पारंपरिक हॉकी राज्य से होने के बावजूद अनगिनत युवाओं के लिए प्रेरणादायक था।

कोपा डेल रे फुटबॉल : एस्पेनयोल सहित चार क्लब जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंचे

मैड्रिड। एस्पेनयोल और लेवांटे फुटबॉल सहित चार क्लबों ने कोपा डेल रे फुटबॉल के पहले दौर के मैचों में जीत दर्ज की है। एस्पेनयोल ने एटलेटिको लिडा को 2-1 से हराया जबकि दूसरी तरफ लेवांटे ने ओरिहुएला के खिलाफ 4-3 से जीत दर्ज की। सेल्टा विगो ने प्यूर्टो डी वेगा को 2-0 से व रियल बेटिस ने पाल्मा डेल रियो को 7-1 से हराया। एस्पेनयोल की ओर से दोनों ही गोल किके गार्सिया ने किये। किके ने दूसरे मिनट में पेनाल्टी के साथ ही पहला गोल दाग दिया पर एटलेटिको लिडा ने एलो कन की बदौलत तीन मिनट बाद ही एक गोल कर स्कोर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद किके ने हाफटाइम से ठीक पहले एस्पेनयोल को फिर से बढ़त दिला दी। वहीं लेवांटे का ओरिहुएला के खिलाफ मुकाबला कड़ा रहा। इस मैच में उनाई एल्गेजाबल और जोसे लुइस मोराल्स के गोल से शुरुआत में ही लेवांटे ने 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। वहीं ओलिवर सोल्डेविला की पेनाल्टी से किये गोल से ओरिहुएला ने वापसी कर ली। वहीं कार्लोस एस्पी ने 48वें मिनट में गोल कर लेवांटे को फिर से 2 गोल की बढ़त दिलाई पर मोंजालो मिराडे ने तीन मिनट बाद ही गोल कर लेवांटे की बढ़त कम कर दी। हेक्टर अरोडेले ने आखिरी मिनट में गोल दागते हुए स्कोर 3-3 पर कर दिया पर एस्पी ने 92वें मिनट में गोल कर लेवांटे को जीत दिला दी। एक अन्य मैच में एक हराकर दौर में आसानी से प्रवेश कर लिया है। रियल बेटिस को भी पाल्मा डेल रियो के खिलाफ 7-1 से जीत हासिल करने में कोई दिक्कत नहीं हुई। कोपा का दूसरा दौर 2 से 4 दिसंबर के बीच खेला जाएगा।

भारतीय टीम की जीत में हरमनप्रीत सहित इन चार खिलाड़ियों की भी रही अहम भूमिका

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला विश्वकप सेमीफाइनल में भारतीय टीम की जीत में जेमिमा रोड्रिग्स की शतकीय पारी के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित चार और खिलाड़ियों की भी अहम भूमिका रही है। इस मैच में भारतीय टीम ने 339 रनों के विशाल लक्ष्य को हासिल कर एक नया रिकार्ड बनाया। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया के लगातार 15 मैचों की जीत के सिलसिले को भी ब्रेक दिया। अब दो नवंबर को फाइनल में भारतीय टीम का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। दक्षिण अफ्रीका ने पहले सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनायी है।

हरमनप्रीत कौर: कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एक बार फिर 2017 की ऐतिहासिक पारी के बाद उन्होंने सेमीफाइनल में भी 89 रनों की पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। हरमनप्रीत ने मुश्किल हालात में पारी संभाला और हर ओवर के साथ मैच का रुख भारत की ओर मोड़ा।

दीप्ति शर्मा: ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने एक बार फिर साबित किया कि वह कितनी उपयोगी हैं। पहले उन्होंने बीच के ओवरों में स्पिन से ऑस्ट्रेलिया पर अंकुश लगाया फिर बल्लेबाजी में निचले क्रम में रन जोड़े। जब भी टीम को विकेट चाहिए था, दीप्ति ने सफलता दिलाई। वहीं अंत में जब रनों और गेंद के बीच का अंतर बढ़ रहा था तब दीप्ति ने 17 गेंदों पर 24 रनों की पारी खेली।

रिचा घोष: विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष भारतीय महिला क्रिकेट टीम की एक भरोसेमंद फिनिशर है। सेमीफाइनल में जब रन रेट बढ़ा हुआ था तब रिचा ने तेजी से खेलकर 16 गेंदों में तेजी से 26 रन बनाये।

स्मृति मंधाना: भरोसेमंद अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 24 गेंदों पर 24 रनों की छोटी लेकिन अहम पारी खेली, शेफाली वर्मा के शुरुआत में आउट होने के बाद स्मृति ने पारी को संभाला।

सिंधु अब अगले सत्र में ही नजर आयेंगी

नई दिल्ली। महिला बैडमिंटन स्टार पी.वी. सिंधु अब इस सत्र में नजर नहीं आयेंगी। सिंधु अब साल 2026 सत्र से ही वापसी करेंगी। सिंधु ने फिट नहीं होने के कारण बीडब्ल्यूएफ टूर के शेष सभी मुकाबलों से अपना नाम वापस ले लिया है। सिंधु ने कहा कि उन्होंने यह फैसला सहयोगी स्टाफ और खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारडीवाला से बात करने के बाद लिया है। सिंधु ने कहा, 'अपनी टीम और डॉ. पारडीवाला की सलाह के बाद उसने साल 2025 सत्र के बाकी टूर्नामेंट से हटना ही सबसे बेहतर समझा है। इसका कारण है कि उनकी पैर की चोट अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुई है। इस खिलाड़ी के अनुसार नाम वापस लेना फैसला नहीं था पर इसके अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं था। साथ ही कहा कि चोट हर खिलाड़ी के खेल सफर का हिस्सा होती है। ये हमारे धैर्य और जज्बे की भी परीक्षा लेती है।' उन्होंने कहा कि वह अभी डॉक्टरों की टीम के सहयोग से रिकवरी और अभ्यास पर ध्यान दे रही है सिंधु ने कहा, 'मेरी टीम का मुझपर काफी भरोसा है जिससे भी मेरा उत्साह हर दिन और बढ़ता है। मैं उनकी आभारी हूं और पहले से कहीं ज्यादा प्रेरित और बेहतर महसूस कर रही हूं।' सिंधु ने अपने प्रशंसकों और समर्थकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह जनवरी 2026 में कोर्ट पर वापसी करेंगी। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, 'आप सबके प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद। यह सफर यहीं समाप्त नहीं होता, जल्द ही एक नई शुरुआत होगी।' गौरतलब है कि पिछले साल पेरिस ओलंपिक में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद से ही सिंधु के लिए इस साल का सत्र अच्छा नहीं रहा है रहा। वह चाइना मास्टर्स सुपर 750, इंडिया ओपन सुपर 750 और विश्व चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गयी थी।

हरमनप्रीत के आउट होने के बाद कैसी थी मानसिकता, जेमिमा ने सेमीफाइनल जीतकर खोला राज

नवी मुंबई (एजेंसी)। अपने नाबाद शतक से भारत को वनडे विश्व कप फाइनल में ले जाने के बाद भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश करते हुए जेमिमा रोड्रिग्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में हरमनप्रीत कौर के आउट होने के बाद उन्हें फिर से फोकस करने में मदद मिली। दबाव में बेहतरीन पारी खेलते हुए जेमिमा ने 134 गेंद में नाबाद 127 रन बनाए जिसकी मदद से भारत ने रिकॉर्ड 339 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया को हराया। अब फाइनल में सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा।

जेमिमा ने कहा, "मैं हैरी दी से कह रही थी कि हम दोनों को जीत तक ले जाना है। जब वह आउट हुई तो मुझे फिर से फोकस करने में मदद मिली क्योंकि थकान के कारण मेरी एकाग्रता टूट रही थी। हरमन के आउट होने के बाद मुझे लगा कि अतिरिक्त जिम्मेदारी से खेलना होगा। मैंने खुद से कहा कि वह आउट हो गई है तो उसके लिए मैं ही रन बनाऊंगी, मुझे टिककर खेलना है।' जेमिमा ने कहा, 'इससे मेरा फोकस फिर बना और मैं जिम्मेदारी से खेलने लगी।'

प्रेस कांफ्रेंस में बार बार रो पड़ी जेमिमा ने कहा कि भगवान पर अटूट आस्था से उन्हें बेचैनी से उबरने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'मैं प्रार्थना कर रही थी। मैं खुद से बात कर रही थी क्योंकि काफी ऊर्जा खत्म हो चुकी थी। मैं थक गई थी और इसकी वजह से कुछ गैरजरूरी शॉट खेले। मैं सोच रही थी कि कैसे खेलूं। आवश्यक रहूं या अंत तक टिकी रहूं और मैंने सोचा कि अंत तक डटकर खेलना जरूरी था।' उन्होंने कहा, 'मैं खुद से बात कर रही थी क्योंकि मेरा मानना है कि मेरा उनसे निजी रिश्ता है और जब मैं खुद नहीं कर पाती तो वह मेरे लिए कर देते हैं।'

इस पारी से पहले जेमिमा कठिन दौर से गुजर रही थी और टीम से बाहर भी हुई लेकिन उनके साथी खिलाड़ी उनके साथ डटे रहे। उन्होंने कहा, 'कोई अपनी कमजोरियों के बारे में बात नहीं करना चाहता। टूर्नामेंट की शुरुआत में काफी बेचैनी से गुजर रही थी। अपनी मां को फोन करके पूरा समय रोती रहती थी क्योंकि जब आप इन हालात से गुजर रहे होते हैं तो कुछ सूझ नहीं पड़ता।'

उन्होंने कहा, 'समझ में नहीं आता कि क्या करें। ऐसे समय में मेरे माता पिता ने मेरा खूब साथ दिया। अरुंधति रेड्डी से मैं रोज बात करती थी और उनके सामने रोती थी। स्मृति (मंधाना) ने मेरी काफी मदद की। उसे पता था कि मैं क्या महसूस कर रही हूं। कुछ नेट सत्रों में वह खड़ी रही, कुछ कहा नहीं लेकिन उसे पता था कि उसकी मौजूदगी मेरे लिए अहम है। राधा यादव ने मेरा बहुत ख्याल रखा।' जेमिमा ने मैच के बारे में कहा, 'डी वाई पाटिल स्टेडियम पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। मैं यही सोच रही थी कि टिके रहना है तो रन खुद ब खुद मिलेंगे।'

दिलजीत के 'कुफर' गाने में ट्रोल होने पर

मानुषी छिल्लर ने दिया करारा जवाब, बोलीं- 'मेरा नहीं तो कम से कम'

मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद फिल्मों में आईं अभिनेत्री मानुषी छिल्लर को अभी भी एक बड़ी हिट की तलाश है। हालांकि, हाल ही में मानुषी सिंगर दिलजीत दोसांझ की 'औरा' एल्बम के नए गाने 'कुफर' में नजर आईं। ये गाना अपनी रिलीज के बाद से ही लगातार ट्रेंड में बना हुआ है और लोगों को पसंद आ रहा है। गाने के वीडियो में मानुषी दिलजीत के साथ नजर आई हैं। दोनों की केमिस्ट्री भी फैंस को पसंद आ रही है। हालांकि, इस बीच जब एक यूजर ने मानुषी को ट्रोल किया, तो एक्ट्रेस ने बड़ी ही शालीनता से ट्रोलर को करारा जवाब दिया।

मानुषी ने दिया जवाब

मानुषी ने एक्स पर एक क्रिप्टिक पोस्ट किया, जिसे ट्रोलर्स को उनका जवाब माना जा रहा है। मानुषी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, 'मेरा नहीं, लेकिन क्या हम उस डांसर का सम्मान नहीं कर सकते जो बस अपना काम कर रही थी।' जाहिर है कि मानुषीने उनके डांस के लिए उन्हें ट्रोल करने पर ट्रोलर्स को जवाब दिया है और डांसर का सम्मान करने की बात कही है।

आखिरी बार 'तेहरान' में नजर आई थीं मानुषी

वर्कफ्रंट की बात करें तो मानुषी छिल्लर ने साल 2022 में हिस्टोरिकल-ड्रामा 'सम्राट पृथ्वीराज' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो 'द ग्रेट इंडियन फैमिली', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' और 'मालिक' में नजर आईं हैं। मानुषी आखिरी बार इसी साल आई जॉन अब्राहम की फिल्म 'तेहरान' में नजर आई थीं। हालांकि, मानुषी को अभी भी एक बड़ी हिट की तलाश है।

'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे दिलजीत

दिलजीत दोसांझ के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो इन दिनों अपने औरा टूर में व्यस्त हैं। फिल्मों की बात करें तो दिलजीत अब 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे। इसमें उनके साथ सनी देओल, वरुण धवन और अहान शेट्टी भी नजर आएंगे।

600 करोड़ क्लब में शामिल होने के करीब पहुंची 'कांतारा चैप्टर 1', 26वें दिन भी जुटाए इतने करोड़ रुपए

ऋषभ शेट्टी स्टारर 'कांतारा चैप्टर 1' धीरे-धीरे बॉक्स ऑफिस पर एक महीना पूरा करने के करीब है। 26 दिन बाद भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छे नंबर हासिल कर रही है। अब फिल्म के 26वें दिन की भी कमाई सामने आ गई है। जानिए चौथे सोमवार को फिल्म ने किया कैसा प्रदर्शन? 'कांतारा चैप्टर 1' सिनेमाघरों में 26 दिन पूरे कर चुकी है। फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है। अब फिल्म ने 26वें दिन अपने चौथे सोमवार को भी 3.25 करोड़ रुपए की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 592.85 करोड़ रुपए पहुंच गया है।

जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की मिर्जापुर: द फिल्म में हुई एंट्री

जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की एंट्री मिर्जापुर: द फिल्म में हो गई है। इसकी जानकारी मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए दी। सोनल ने भी टीम को थैंक्स कहते हुए एक पोस्ट किया है। अभिनेत्री सोनल चौहान को 'जन्नत' और 'आदिपुरुष' जैसी फिल्मों में काम करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक शानदार गिफ्ट हैंपर और प्रोडक्शन हाउस के एक नोट की झलक दिखाई। नोट में जानकारी दी गई है कि सोनल अब मिर्जापुर फिल्म का हिस्सा हैं।इस नोट में लिखा है, प्रिय सोनल, हम आपको मिर्जापुर की टीम में पाकर बहुत उत्साहित हैं। हम पर्दे पर आपके अभिनय का जादू को देखने के लिए बेताब हैं। सोनल ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं मिर्जापुर: द फिल्म में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इस टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई और मैं आप सभी को यह देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि हम पर्दे पर क्या-क्या दिखाने वाले हैं। इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद। इस फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अली फजल एक बॉडी बिल्डर के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों की दुनिया को दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी गोलू गुप्ता के रोल को निभाती दिखाई देंगी और रसिका दुग्गल फिल्म में अपने बीना त्रिपाठी के किरदार में दिखाई देंगी। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यतः मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी।

भावुक होकर मांगी माफी

बंद कमरे में करूर भगदड़ पीड़ितों से मिले विजय

अभिनेता-राजनेता विजय ने सोमवार को महाबलीपुरम में करूर भगदड़ के पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने इस दुखद घटना के लिए उनसे माफी मांगी। करूर भगदड़ में 41 लोग मारे गए थे और 60 से ज्यादा घायल हुए थे। यह बैठक भगदड़ के एक महीने बाद हुई। तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के सूत्र के मुताबिक करूर से कुल 37 परिवारों को बैठक स्थल पर लाया गया था। इन लोगों से विजय ने एक रिसॉर्ट में मुलाकात की जहां पार्टी ने लगभग 50 कमरे बुक किए थे। खबरों के मुताबिक विजय ने पीड़ित परिवारों को शिक्षा, स्वरोजगार और आवास के अलावा आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया। परिवारों से मुलाकात के दौरान, विजय ने उन्हें महाबलीपुरम लाने के लिए उनसे माफी मांगी और कहा कि वह करूर नहीं जा सके क्योंकि उन्हें अधिकारियों से अनुमति नहीं मिल पाई। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह जल्द ही करूर में उनसे जरूर मिलेंगे।

कैटरीना कैफ ने फिल्मी इंडस्ट्री में आने के लिए प्रेरित किया : कशिका कपूर

अभिनेत्री काशिका कपूर बॉलीवुड, तेलुगु सिनेमा और कई म्यूजिक वीडियो में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती है। उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित ड्रामा 'आयुष्मति गीता मैट्रिक पास' से बॉलीवुड में कदम रखा और बाद में 'लाइफ: लव योर फादर' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया। काशिका कपूर ने एक विशेष इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ का भी हाथ है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उनके पिता शुरुआत में बेटी के इंडस्ट्री में आने को लेकर झिझक रहे थे, जबकि उनकी मां उनके सपनों के साथ खड़ी रहीं।जब उनसे पूछा गया कि उन्हें बॉलीवुड में आने के लिए कैसे प्रेरणा मिली, तो काशिका कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि हमेशा से एक अभिनेत्री बनना मेरा सपना था। मैं पांचवीं कक्षा में थी जब मैंने नाटकों में भाग लेना शुरू किया। मुझे याद है कि स्कूल में शो की शुरुआत मैं ही करती थी और सभी को मुझ पर बहुत गर्व था। लोगों की प्रशंसा ने मुझे एहसास दिलाया कि शायद मुझमें कुछ ऐसा है जिसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए। वास्तव में यह सब ऐसे ही शुरू हुआ। उन्होंने आगे कहा, मैं कैटरीना कैफ के गाने शीला की जवानी से प्रेरित थी। मैंने उसे देखा और सोचा, मुझे यह करना है। मैं वहां जाना चाहती हूं। लेकिन मेरे पिताजी इस विचार के बिल्कुल खिलाफ थे, उन्हें उस समय इंडस्ट्री पसंद नहीं थी। दूसरी ओर, मेरी मां बहुत सहयोगी थीं। मेरे पिताजी ने कहा था कि यह बस एक दौर है जो गुजर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आखिरकार, उन दोनों ने मेरा साथ दिया, और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। इस तरह मेरे सपने ने आकार लेना शुरू किया। अपने पहले बड़े मौके के बारे में बात करते हुए काशिका ने कहा, यह बिल्कुल अप्रत्याशित था। हम घर पर 'फर्न्स एंड पेटल्स' की शूटिंग कर रहे थे। उस शूटिंग के लिए आए निर्देशक ने मुझे बताया कि वह आमतौर पर ऐसे प्रोजेक्ट्स नहीं करते, लेकिन उस दिन किसी चीज ने उन्हें आने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैं आया क्योंकि मुझे मेरी गीता मिल गई है। काशिका ने आगे कहा, उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और कहा, मैं तुम्हें इस भूमिका के लिए चाहता हूं। मैं बहुत आभारी थी क्योंकि यह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर आधारित एक बहुत ही खूबसूरत कहानी थी। मैंने इसके लिए तेलुगु में ऑडिशन भी दिया था।

18 साल बाद सलमान के साथ काम कर सकते हैं गोविंदा !

18 साल बाद 'पार्टनर' एक बार फिर साथ आ रहे हैं। दरअसल, सलमान खान की मच अवेटेड फिल्म में अब 'बैटल ऑफ गलवां' में गोविंदा भी नजर आएंगे।

बॉलीवुड के 'पार्टनर' यानी सलमान खान और गोविंदा की जोड़ी अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आ सकती है। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' को लेकर चर्चाओं में हैं। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस फिल्म में सलमान खान के साथ गोविंदा भी नजर आएंगे। यानी लगभग 18 साल बाद दोनों अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आएंगे।

सलमान ने खुद दी हिंट

बिग बॉस 19 के वीकेंड का वार के हालिया एपिसोड में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा शो में बतौर मेहमान शामिल हुईं। सलमान और सुनीता ने गोविंदा के साथ उनके फिर से साथ आने पर चर्चा की, जो अब फैंस के बीच वायरल है। दरअसल, सलमान ने इस दौरान ये कहा कि अब वो और गोविंदा एक साथ काम कर रहे हैं। हालांकि, सलमान ने इस प्रोजेक्ट के नाम का खुलासा नहीं किया, लेकिन ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि गोविंदा वॉर ड्रामा 'बैटल ऑफ गलवां' में सलमान के साथ अभिनय करेंगे। इन चर्चाओं के बीच कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया कि गोविंदा ने 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग भी शुरू कर दी है। 'बैटल ऑफ गलवां' अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित है। यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है, जो समुद्र तल से 15,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर बिना एक भी गोली चलाए लड़ा गया था। सलमान के अलावा फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। पुरानी है सलमान और गोविंदा की दोस्ती

सलमान और गोविंदा दशकों से दोस्त हैं, उनकी लंबे समय से चली आ रही दोस्ती 2000 के दशक की शुरुआत में शुरू हुई थी। गोविंदा अक्सर सलमान को अपने करियर को खराब दौर में फिर से पटरी पर लाने का श्रेय देते हैं। सलमान और गोविंदा आखिरी बार 'पार्टनर' फिल्म में नजर आए थे। दोनों इसके अलावा 'सलाम-ए-इश्क' में भी साथ में काम कर चुके हैं।

राष्ट्रवादी का टैग लगने पर क्या बोलीं यामी गौतम? फिल्म हक में अपने रोल पर भी रखी बात

फिल्म हक के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से कई सवाल किए गए। इस पर उन्होंने बेबाकी से जवाब दिए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है?

शांत और दृढ़ विश्वास वाले किरदारों को निभाने के लिए मशहूर अभिनेत्री यामी गौतम, अपनी अगली बड़ी रिलीज, हक के लिए तैयार हैं। इसमें उनके साथ इमरान हाशमी भी हैं। ऐतिहासिक शाहबानो मामले से प्रेरित यह फिल्म न्याय, पहचान और आस्था के विषयों पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से पूछा गया कि हाल के वर्षों में उन्होंने जिस तरह की फिल्में चुनी हैं, उनके कारण उन्हें अक्सर राष्ट्रवादी कहा जाता है। इस पर उनका क्या कहना है? इस पर अभिनेत्री ने हंस कर इस लेबल को खारिज कर दिया।

राष्ट्रवादी टैग को किया खारिज

राष्ट्रवादी का टैग दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर यामी ने कहा, लेबल है, मुझे पता भी नहीं है। अगर है तो लोगों का काम है कुछ न कुछ कहना। उन्होंने कहा, ये नहीं तो कुछ और लेबल, फिर कुछ और, फिर कुछ और। पहले कुछ और था। पहले कुछ अंडररेटेड लेबल था। उससे पहले कुछ और था। यह बदलता रहता है। मैं वो सब नहीं जानती हूं। यामी गौतम ने बताया कि फिल्म हक उनके लिए सिर्फ एक कोर्टरूम ड्रामा नहीं था।

पद्मावत से हीरामंडी तक अपने हर किरदार से दिखाई सशक्त नारी की छवि

बॉलीवुड और टॉलीवुड की चमक-दमक भरी दुनिया में कई अभिनेत्रियां हैं, लेकिन कुछ ही कलाकार ऐसे होते हैं जो अपनी खूबसूरती के साथ-साथ ऐतिहासिक किरदारों में अपनी पहचान भी बना पाते हैं। अदिति राव हैदरी उन्हीं में से एक हैं। अदिति ने सिर्फ फिल्मों में अपने अभिनय का जादू नहीं बिखेरा, बल्कि इतिहास से जुड़े कई किरदारों को जीवंत बनाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। चाहे वह पद्मावत में रानी मेहरुन्निसा का किरदार हो या ताज: डिवाइडेड बाय ब्लड में अनारकली की भूमिका, अदिति ने हमेशा अपने किरदारों में शाही और नाजुक अंदाज को बखूबी पेश किया है।

अदिति राव हैदरी का जन्म 28 अक्टूबर 1986 को हैदराबाद में हुआ था। उनका जन्म एक शाही परिवार में हुआ। वह अकबर हैदरी की परपोती होने के साथ असम के पूर्व गवर्नर मोहम्मद सालेह अकबर हैदरी की पोती हैं। इसके अलावा, उनके नाना जे.रामेश्वर राव तेलंगाना के वनापर्थी पर राज किया करते थे। अदिति की मां विद्या राव एक हिंदू हैं और पिता एहसान हैदरी मुस्लिम हैं। यही वजह है कि वह अपने सरनेम में अपने माता और पिता दोनों का नाम लिखती हैं। अदिति ने फिल्मी करियर की शुरुआत मलयालम फिल्म प्रजापति से की थी। इसके बाद उन्होंने 2006 में हिंदी फिल्म दिल्ली-6 से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनका कैमियो रोल था, लेकिन उन्होंने अपने अभिनय और चेहरे की मासूमियत से दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके बाद अदिति ने लगातार फिल्मों में अपनी जगह बनाई और कई महत्वपूर्ण किरदार निभाए। साल 2011 में आई ये साली जिंदगी और रॉकस्टार जैसी फिल्मों ने अदिति को बॉलीवुड में जगह दिलाई। रॉकस्टार में उनके अभिनय को काफी सराहा गया, और उन्होंने अपनी अदाकारी से रणबीर कपूर के साथ शानदार केमिस्ट्री दिखाई। इसके बाद उन्होंने फितूर, मर्डर 3 जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन दर्शकों और क्रिटिक्स ने उन्हें खास तौर पर पद्मावत में रानी मेहरुन्निसा के किरदार के लिए याद किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक ललित कुमार शर्मा द्वारा मैसर्स कुमार आफसैट प्रिन्टर्स, 567, तुराब नगर, गाजियाबाद से मुद्रित कराकर, ए- 574, सैक्टर-9, न्यू विजय नगर, गाजियाबाद (यू0 पी0) 201009 से प्रकाशित किया। किसी भी वाद विवाद के लिए निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गाजियाबाद में होगा। संपादक 8802820025, e-mail:phmnews24@gmail.com